Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 04 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शुक्रवार 03 जुलाई 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

परिश्रम के द्वारा मंजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

A friend in need is a friend in deed.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पीएम ताकाइची की भारत यात्रा से भारत-जापान रणनीतिक साझेदारी के नए युग की शुरुआत : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को घोषणा की कि भारत और जापान ने रक्षा क्षेत्र की पहली सह-विकास परियोजना पर समझौता किया है। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देने वाला महत्वपूर्ण कदम है। हैदराबाद हाउस में जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के साथ 16वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के बाद आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान ने भारत की विकास यात्रा में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और प्रधानमंत्री ताकाइची की यह यात्रा दोनों देशों की विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी के नए अध्याय की शुरुआत है। प्रधानमंत्री मोदी ने

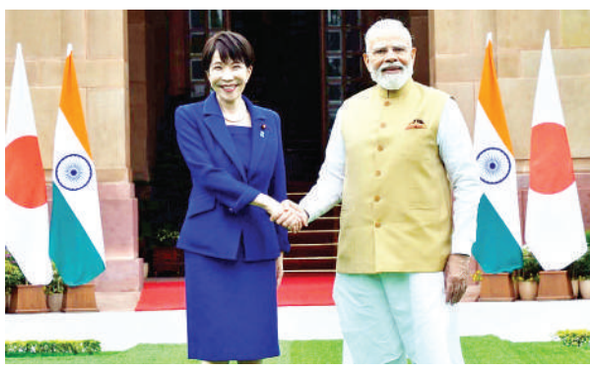

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची का स्वागत करते हुए उन्हें अपनी छोटी बहन बताया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ताकाइची जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। वह दूरदर्शी और लोकप्रिय नेता हैं तथा जापान के नारा प्रीफेक्चर से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में जी7 शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा था कि मौजूदा वैश्विक उथल-पुथल के दौर में आपसी विश्वास सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी है।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत हुई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने आज गुरुवार को हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत की। बातचीत के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी समेत अन्य अधिकारी शामिल थे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची ने हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बातचीत की। ये बातचीत भरोसे पर बनी खास साझेदारी को और मज़बूत करने की दिशा में एक और कदम थी।

जापान के सहयोग से देश में करीब 1000 खाद कारखाने लगाए जाएंगे

भारत और जापान ने आर्थिक साझेदारी को नई रफ्तार देने का फैसला किया है। भारत-जापान जॉइंट इकोनोमिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने जापानी कंपनियों की दिक्कतें दूर करने के लिए 'जापान बिजनेस वीक' शुरू करने का ऐलान किया। इसके तहत PMO के सीनियर अधिकारी सीधे जापानी निवेशकों से बातचीत करेंगे। मोदी ने कहा कि आज दुनिया में बिकने वाली सुजुकी की दो-तिहाई कारें भारत में बन रही हैं और इन्हें 100 से ज्यादा देशों में निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जापान के सहयोग से देश में करीब 1000 खाद (फर्टिलाइजर) कारखाने लगाए जाएंगे। दोनों देशों ने अगले 10 साल में भारत में 10 ट्रिलियन येन के जापानी निवेश का लक्ष्य भी रखा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बम्हनीडीह के विकास की नई यात्रा का किया शुभारंभ

रायपुर। स्थानीय स्वशासन लोकतंत्र की सबसे सशक्त कड़ी है और नगर पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि नागरिकों की आकांक्षाओं को धरातल पर उतारने का प्रभावी माध्यम हैं। नवगठित नगर पंचायत बम्हनीडीह के प्रथम जनप्रतिनिधियों के कंधों पर केवल एक नगर के विकास की नहीं, बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति और जनविश्वास की नींव रखने की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जांजगीर-चांपा जिले के बम्हनीडीह में नगर पंचायत के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पार्षदों के शपथ ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

हसदेव नदी पर पुल, बिजली विभाग का सब डिवीजन कार्यालय और सर्वसुविधायुक्त मंगल भवन की घोषणा

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रमेश कुमार डडसेना एवं सभी पार्षदों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ उन्हें दायित्व सौंपा है, उसका प्रतिफल पारदर्शी प्रशासन, संवेदनशील कार्यशैली और विकास के रूप में दिखाई देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बम्हनीडीह के विकास को नई गति देने वाली तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए दहिदा-बम्हनीडीह के बीच हसदेव नदी पर पुल निर्माण, बिजली विभाग का सब डिवीजन कार्यालय तथा सर्वसुविधायुक्त मंगल भवन के निर्माण की घोषणा की।

राममंदिर ट्रस्टी अनिल मिश्रा से बंद कमरे में की गई पूछताछ, एसआईटी ने गोपाल राव को बाहर बैठाया

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में जांच तेज हो गई है। गुरुवार को ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा से मंदिर के एक बंद कमरे में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम पूछताछ कर रही है। वहीं, आमंत्रित ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव को कमरे के बाहर बैठाया गया है। इससे पहले रविवार को ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय से करीब 3 घंटे पूछताछ हुई थी। अब उनके बयानों का मिलान करने और आरोपियों लवकुश मिश्रा व अनुकल्प मिश्रा की नियुक्ति में ट्रस्ट

पदाधिकारियों की भूमिका की जांच की जा रही है। एसआईटी गुरुवार दोपहर 3 बजे राम मंदिर पहुंची थी। इससे पहले टीम 15 से 20 जून तक भी मामले की जांच कर चुकी है। उधर, पुलिस ने जेल में बंद आरोपी अविनाश शुक्ला को 24 घंटे की रिमांड पर लिया है। उसके घर से राम मंदिर का संदूक, 20 लाख रुपए नकद, 1,000 से ज्यादा डॉलर और गहने मिले थे।

नकटी में बारिश के बीच टूटे घर में परिवार

सांसद बृजमोहन अग्रवाल बोले- मकान तोड़ने वाले अधिकारियों को माफी नहीं, ग्रामीणों से मिले सिंहदेव

रायपुर। नकटी गांव के 80 घरों पर बुलडोजर चले 3 दिन हो गए हैं। बेघर हुए कई परिवार बारिश में अपने टूटे घर के अंदर बैठे नजर आए। प्रभावितों का अभी भी प्रदर्शन जारी है। कार्रवाई के विरोध में अपने गांव में बारिश और कीचड़ के बीच धरने पर बैठे हुए हैं। गुरुवार को पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने गांव पहुंचकर

उनसे मुलाकात की। वहीं, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने तोड़फोड़ की कार्रवाई पर कहा, रात के अंधेरे में घर तोड़ने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। बृजमोहन ने कहा कि मैं आज भी नकटी गांव के ग्रामीणों के साथ खड़ा हूं।

बता दें कि बेघर हुए लोगों को प्रशासन ने मकान दिए हैं। हालांकि सभी प्रभावितों को मकान नहीं मिला है।

मुख्यमंत्री ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सक्ती जिला कार्यालय में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में राज्य एवं जिला स्तर पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनके भविष्य के लक्ष्य, करियर की योजनाओं और रुचियों की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, डॉक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने उनके आत्मविश्वास और ऊँचे सपनों की सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, अनुशासन, निरंतर अध्ययन और कठिन परिश्रम ही सफलता की वास्तविक कुंजी हैं। उन्होंने कहा कि जो विद्यार्थी बड़े लक्ष्य निर्धारित करते हैं और पूरी निष्ठा से उन्हें प्राप्त करने का प्रयास करते हैं, सफलता स्वयं उनके कदम चूमती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक संसाधनों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा के अनुरूप आगे बढ़े और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रसेवा की भावना को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आज सम्मानित हुए विद्यार्थी केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे जिले और प्रदेश का गौरव हैं। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगी और उत्कृष्टता की नई संस्कृति को आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री श्री गुरु खुशवंत साहब, सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्री अमृत विकास तोपनो, पुलिस अधीक्षक श्री प्रफुल्ल ठाकुर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सभापति ने नवनामांकित पार्षदों को दी हार्दिक शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति श्री सूर्यकांत राठौड ने छत्तीसगढ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगर निगम रायपुर में नव नामांकित 10 पार्षदो, एल्डरमेनो का नगर निगम मुख्यालय महात्मा गांधी सदन के प्रथम तल पर कार्यालयीन कक्ष में आत्मीय स्वागत करते हुए बुके देकर उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी। सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने नगर निगम रायपुर के नव नामांकित पार्षदो, एल्डरमेनो को छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की पुस्तक प्रति भेंट की एव नगर निगम अधिनियम को पढ़कर इसके प्रावधान अनुरूप कार्य कर नगर विकास में भागीदार बनकर नागरिको को सुविधा उपलब्ध करवाने का कार्य निरतर करने का संकल्प लेने का आव्हान सभी नव नामांकित पार्षदों, एल्डरमेनों सर्वश्री रामकिकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडमुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी श्रीनिवास राव, गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर, ऋषि साहू से किया। इस दौरान नगर निगम सभापति के कार्यालयीन कक्ष में नगर निगम रायपुर की सचिव श्रीमती संगीता साहू सहित नगर निगम सचिवालय एवं सभापति कार्यालय के सबंधित कर्मचारीगण की उपस्थिति रही।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /32541/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 01-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32541
वार्ड का नाम- 8 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226L00240** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AGNHA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **दुर्गेश कुमार यादव** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. रामचरण यादव** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र एवं सहमति पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /32643/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 01-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32643
वार्ड का नाम- 8 - महात्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226K00104** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANIL SHUKLA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **J. P. SHUKLA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RASHID ALI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOINUDDIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32588/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32588
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651J01137** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANJAY SADHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SIRUMAL SADHWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANJALI TOLWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHARAT TOLWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32589/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32589
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M00786** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MADAN LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KANHYA LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **GOPI KISHAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHOVAN SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32591/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32591
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446L0388J** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEENA EDWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ASHOK KUMAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SUNITA TOLWANI 2. BHAVESH TOLWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SW. MANOJ TOLWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32685/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32685
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652Q00240** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHARTI SONWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DILESHWAR SONWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MUNI DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR PRASAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./ 32787 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32787
वार्ड का नाम- 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR445M0216C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **VICKY CHIJWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHANDRALAL CHIJWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SATISH KUMAR CHANDRAKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIV KUMAR CHANDRAKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32797/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32797
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R00845** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHUSAN GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DHANESH PRASAD GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AMIT KUMAR DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHASKAR PRASAD DUBEY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32801/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32801
वार्ड का नाम- 54 - कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 54 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR652R0067** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAA SHARDA BUILDCON DWARA BHAGIDAR - MAHESH DHANGAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DOMURAM DHANGAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHIVANI SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NEERAJ SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32813 / न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32813
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446L00824** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SURJIT SINGH SINDHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DIWANI SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DINESH RAJPAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DARSHAN RAMPAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32815/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32815
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446M00706** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GOVT NAZUL LAND HORI LAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PURAN LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KULESHWAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **HORI LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा के व सपथ पत्र** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32816/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32816
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446N1264A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJKUMAR CHHABLANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARJUN DAS CHHABLANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **VAISHALI GOSWAMI** पिता/पति, श्री/श्रीमती SW **SAMBHU PURI GOSWAMI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32859/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32859
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J1235A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **THAKUR RAM PRITHWANI, ASHISH PRITHWANI, SAURABH PRITHWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHOLUMAL PRITHWANI, THAKUR RAM PRITHWANI, THAKUR RAM PRITHWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SUNIL KUMAR TALREJA 2. OMPRAKASH TALREJA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. GHANSHYAM DAS TALREJA 2. GHANSHAM DAS TALREJA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./32860/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32860
वार्ड का नाम- 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446J0363V** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NARENDRA KUMAR SHRIVASTAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNDER LAL SHRIVASTAV** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **NIMMI BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **JAWAHAR LAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्रं./32470/न.पा.नि./जोन क्रं. 4/2026
रायपुर दिनांक : 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32470
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR758D0048A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAM KUMAR DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O MANRAKHAN DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PREMSHANKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O LATE RAM KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आपसी बंटवारानामा एवं शपथ पत्र** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32840/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32840
वार्ड का नाम- 60 चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR663Q00078** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJU JHAMNANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BHAGWAN DAS JHAMNANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **BHARATI JAISWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O DEV SHANKAR JAISWAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32841/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32841
वार्ड का नाम- 60 चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G0959A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SMT. RAFAT PARWEEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD DILSHAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT SHEIKH YASHMIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O AASHIF KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./32847/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32847
वार्ड का नाम- 60 चंद्रशेखर आजाद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR653H00198** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **ANISHA BEGAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KALIM KURAISHI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **FAYYAZ QURAISHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O MOHAMMAD KALIM QURAISHI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **SAHMATI PATRA OR SHAPATH PATRA**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /32761/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 01-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32761
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801L01553** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMIT KARDA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SIRUMAL KARDA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRAWAN GODARA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **TILA RAM GODARA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./31896/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 31896
वार्ड का नाम-64- डॉ. बिपिन बिहारी सूर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 64 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR656D0166A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAHESH NIRMALKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. FIRTU RAM NIRMALKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजेन्द्र कुमार निर्मलकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. महेश निर्मलकर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, सहमति पत्र, बंटावारानामा, आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32474/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32474
वार्ड का नाम-34-पं. रविशंकर शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 34 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR224E0141A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MR. BALAKRAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राम गोपाल साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. बालक राम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ... / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./32700/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 02-07-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 32700
वार्ड का नाम-43-ब्राम्हणपारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 43 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR758D00168** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MANGLU DHIMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **मनीष कुमार सार्वे व हरीश कुमार सार्वे** पिता/पति, श्री/श्रीमती **दोनो पिता स्व. प्रहलाद सार्वे** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **आवेदन पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, संपत्तिकर रसीद व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

9 दिन का आंदोलन, 6 माह का इंतजार फिर भी अंधेरे में 17 गांव

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- ठंड में मिला था बिजली का आश्वासन, गर्मी गुजर गई, अब बरसात भी शुरू लेकिन बिजली आज भी नहीं पहुंची जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिला की सुदूर ग्राम महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक लाइन विस्तार का था वादा, वनांचल के अन्य गांवों में सौर ऊर्जा व्यवस्था भी पूरी तरह ठप है।

चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र के 17 गांव आज भी बिजली की रोशनी का इंतजार कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार करीब छह माह पहले कड़ाके की ठंड के दौरान बिजली की मांग को लेकर बिहरपुर तहसील मैदान में लगातार नौ दिनों तक ऐतिहासिक आंदोलन किया गया था। आंदोलन के बाद जिला प्रशासन ने महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक विद्युत लाइन विस्तार कर बिजली उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, जबकि पहाड़ी एवं वन क्षेत्र के अन्य गांवों में क्रेडा के माध्यम से सौर ऊर्जा आधारित बिजली व्यवस्था विकसित करने की बात कही गई थी।

ग्रामीणों का आरोप है कि छह माह बीत जाने के बाद भी न तो विद्युत लाइन विस्तार का कार्य शुरू हुआ और न ही सौर ऊर्जा व्यवस्था को पुनर्जीवित किया गया। ठंड बीत गई, भीषण गर्मी भी समाप्त हो गई और अब बरसात का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन क्षेत्र के हजारों लोग आज भी अंधेरे में जीवन बिताने को मजबूर हैं।

करीब 12 हजार से अधिक ग्रामीण अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर ग्रामीणों के अनुसार चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र के इन 17 गांवों में करीब 12 हजार से अधिक लोग निवास करते हैं। बिजली नहीं होने के कारण बच्चों की पढ़ाई, मरीजों की देखभाल, मोबाइल चार्जिंग, घरेलू कार्य और रात में आवागमन जैसी सामान्य जरूरतें भी बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। बरसात के मौसम में जहरीले सांप-बिच्छू तथा जंगली जानवरों का खतरा बढ़ जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है।

कड़ाके की ठंड में 9 दिन तक चला आंदोलन- ग्रामीण बताते हैं कि बिजली की मांग को लेकर सैकड़ों महिला-पुरुष, बुजुर्ग और युवा बिहरपुर तहसील मैदान में लगातार नौ दिनों तक धरने पर बैठे रहे। कड़ाके की ठंड के बावजूद आंदोलन जारी रहा। इस दौरान कई लोगों की तबीयत भी बिगड़ी थी, जबकि विरोध स्वरूप कुछ ग्रामीणों ने मुंडन कराकर भी अपना आक्रोश जताया। नौवें दिन जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद आंदोलन समाप्त हुआ।

महुली से नवडीहा तक बिजली लाइन का था वादा- आंदोलन के दौरान प्रशासन ने महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक विद्युत लाइन विस्तार का भरोसा दिया था। वहीं इन गांवों से आगे स्थित पहाड़ी एवं वन क्षेत्र के गांवों में क्रेडा के माध्यम से सौर ऊर्जा आधारित बिजली व्यवस्था विकसित करने की बात कही गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों ही योजनाएं आज तक धरातल पर दिखाई नहीं दे रही हैं।

दो दर्जन से अधिक सोलर पावर प्लांट दो वर्षों से बंद- ग्रामीणों का कहना है कि चांदनी-बिहरपुर क्षेत्र में क्रेडा द्वारा वर्षों पहले लगाए गए दो दर्जन से अधिक सोलर पावर प्लांट, होम लाइट और इनवर्टर पिछले लगभग दो वर्षों से पूरी तरह बंद पड़े हैं। अधिकांश बैटरियां खराब हो चुकी हैं, इनवर्टर जवाब दे चुके हैं और रखरखाव के अभाव में सोलर सिस्टम अनुपयोगी हो गए हैं। कई गांवों में सोलर प्लांट केवल ढांचा बनकर रह गए हैं, जबकि ग्रामीण फिर से लालटेन और अन्य वैकल्पिक साधनों पर निर्भर हैं।

'प्रक्रिया जारी है' का जवाब, लेकिन काम शुरू नहीं- ग्रामीणों का कहना है कि जब भी संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली जाती है तो केवल प्रक्रिया जारी है कहकर जवाब दिया जाता है। लेकिन छह माह बाद भी न बिजली के पोल लगाए गए, न तार खींचे गए और न ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य शुरू हुआ। इससे लोगों में निराशा और नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

बरसात में बढ़ी मुश्किलें, शिक्षा और स्वास्थ्य पर असर- बिजली नहीं होने से बरसात के मौसम में ग्रामीणों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। रात के समय जहरीले जीव-जंतुओं और जंगली जानवरों का खतरा बना रहता है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मरीजों को रात में इलाज और आपातकालीन परिस्थितियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। मोबाइल नेटवर्क और संचार व्यवस्था भी बिजली के अभाव में प्रभावित होती है।

ग्रामीणों ने सूरजपुर कलेक्टर तथा छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि आंदोलन के दौरान किए गए वादे को तत्काल पूरा किया जाए। महुली, कोल्हूआ, कछवारी, खैरा, चोगा, कछिया और नवडीहा तक विद्युत लाइन विस्तार का कार्य बिना और विलंब के शुरू कराया जाए। साथ ही वनांचल के अन्य गांवों में क्रेडा के माध्यम से नई सौर ऊर्जा व्यवस्था स्थापित की जाए तथा वर्षों से बंद पड़े सोलर पावर प्लांट, होम लाइट और इनवर्टर की मरम्मत या प्रतिस्थापन कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही काम शुरू नहीं हुआ तो वे फिर से लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। उनका कहना है कि छह माह पहले मिला आश्वासन आज भी अधूरा है और 17 गांवों के हजारों लोग अब भी बिजली की रोशनी का इंतजार कर रहे हैं।

कलेक्टर ने शासकीय पॉलिटेक्निक के निर्माणाधीन भवन का किया औचक निरीक्षण

निर्माण कार्य की धीमी गति पर जताया असंतोष, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

नियत समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश, छात्रों को शीघ्र मिलेगा आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए भवन का लाभ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) -कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आज शासकीय पॉलिटेक्निक सूरजपुर के निर्माणाधीन भवन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति एवं गुणवत्ता की समीक्षा करना था। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्माण कार्य की धीमी गति पर असंतोष व्यक्त करते हुए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों को कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य नियत समय-सीमा के भीतर पूर्ण किया जाना चाहिए, ताकि छात्रों को शीघ्र ही नए भवन का लाभ मिल सके। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन अभियंता श्री ललित भोई, एसडीओ श्री एस.के. मिश्रा एवं शासकीय पॉलिटेक्निक सूरजपुर के प्रभारी प्राचार्य श्री विवेक कुमार मेहता उपस्थित रहे।

कलेक्टर के इस औचक निरीक्षण में स्पष्ट से निर्देश है कि पॉलिटेक्निक भवन का निर्माण कार्य समय सीमा पर पूर्ण हो ताकि छात्रों को शीघ्र ही आधुनिक सुविधाओं से युक्त बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके।

आगे बढ़ते हुए : स्कोडा ऑटो इंडिया ने H1 2026 में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया

रायपुर। स्कोडा ऑटो इंडिया ने वर्ष 2025 में अपने अब तक के सबसे सफल वर्ष से प्राप्त गति को 2026 की पहली छमाही में भी बरकरार रखा है। ब्रांड ने कुल 38,894 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 7.5% की वृद्धि दर्शाती है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में ब्रांड ने भारत में अपने 25 वर्षों के इतिहास की उस समय की सर्वाधिक अर्धवार्षिक बिक्री दर्ज की थी। H1 2026 के साथ कंपनी ने अपने रिकॉर्ड स्थापित करने वाले वर्ष से भी आगे बढ़ते हुए एक नई उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर, आशीष गुप्ता ने कहा, हमारी रिकॉर्ड अर्धवार्षिक बिक्री स्कोडा ब्रांड पर ग्राहकों के बढ़ते विश्वास और भरोसे को दर्शाती है। वर्ष 2026 में हमने अपने उत्पादों पर केंद्रित रणनीति, ग्राहक-प्रथम पहलों और उत्कृष्टता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के माध्यम से इस विश्वास को और मजबूत किया है। नई कुशाक, अपडेटेड कोडियाक तथा बिल्कुल नई कोडियाक आरएस को ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। विशेष रूप से कोडियाक आरएस, जो केवल छह मिनट में पूरी तरह बिक गई, बाजार में मजबूत मांग का प्रमाण है। वहीं कायलैक लगातार बिक्री को गति दे रही है और स्लाविया हमारी सेडान विरासत को और सशक्त बना रही है। भारत में दीर्घकालिक और सतत विकास को समर्थन देने के लिए हम विशिष्ट उत्पाद, पारदर्शी संवाद और ग्राहकों को उत्कृष्ट वाहन स्वामित्व अनुभव प्रदान करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

विस्तार करता नेटवर्क- स्कोडा ऑटो इंडिया ने देशभर में 340 से अधिक टचपॉइंट्स तक अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है, जिससे यह ब्रांड पूरे भारत में ग्राहकों के लिए पहले से अधिक सुलभ हो गया है। ब्रांड ने हाल ही में स्कोडा एक्सप्रेस केयर का भी शुभारंभ किया है, जिससे ग्राहकों को सुविधा, पारदर्शिता और निश्चिंतता प्रदान करने के अपने वादे को और मजबूत किया गया है।

प्रदर्शन के दम पर नई उड़ान- इस विकास यात्रा के दौरान कंपनी ने अपने रेसिंग डीएनए और मोटरस्पोर्ट विरासत पर भी विशेष ध्यान केंद्रित किया है। स्कोडा ऑटो इंडिया के संपूर्ण वाहन बेड़े—जिसमें स्लाविया मॉन्टे कार्लो, कुशाक मॉन्टे कार्लो, कायलैक, कोडियाक तथा सीमित संख्या में उपलब्ध ऑक्टाविया आरएस शामिल हैं—ने 'द फास्टेस्ट मल्टी-कार रिले ऑफ अ सिंगल मैन्युफैक्चरर ऑन अ सर्किट' का इंडिया बुक ऑफरिकॉर्ड्स और एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में स्थान बनाया। चालक परिवर्तन में लगे समय सहित इन पाँचों वाहनों ने कोयंबटूर स्थित कोएएसटीटी ट्रैक पर कुल 12:30.97 मिनट का लैप टाइम दर्ज किया। इसके साथ ही ब्रांड ने 'ग्रेटेस्ट ऑन अ ट्रैक इज़ अ स्कोडा ऑन अ ट्रैक' अभियान की भी शुरुआत की, जो स्कोडा की उत्कृष्ट इंजीनियरिंग क्षमता और गतिशील प्रदर्शन को प्रदर्शित करते हुए ब्रांड की निरंतर विकास यात्रा को भी रेखांकित करता है।

संयुक्त श्रमिक संगठनों द्वारा 12 वें वेतन समझौते की मांग को लेकर आज खदान क्षेत्र में किया आंदोलन

श्रमिक यूनियन एटक, एचएमएस, इंटक सीटू का संयुक्त आंदोलन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-12वें वेतन समझौते की मांग को लेकर विश्रामपुर क्षेत्र में संयुक्त ट्रेड यूनियनों का प्रदर्शन, कोल इंडिया चेयरमैन के नाम सौंपा ज्ञापन

विश्रामपुर। कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी अनुषंगी कंपनियों के लाखों गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के 12वें वेतन समझौते (जेवीवीसीआई-12 वें) के गठन एवं शीघ्र वेतन समझौता लागू करने की मांग को लेकर आज संयुक्त ट्रेड यूनियनों एटक, एचएमएस इंटक सीटू) के संयुक्त आह्वान पर एसईसीएल विश्रामपुर क्षेत्र में मांग दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान महाप्रबंधक कार्यालय के माध्यम से कोल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष के नाम संयुक्त ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर संयुक्त कोयला मजदूर संघ के केंद्रीय महासचिव कॉमरेड अजय विश्वकर्मा ने कहा कि 11वें वेतनमान की अवधि 30 जून 2026 को समाप्त हो चुकी है, लेकिन अभी तक JBCCI-XII की वार्ता समिति का गठन नहीं किया गया है, जिससे देशभर के कोयला श्रमिकों में भारी असंतोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि कोयला श्रमिकों के हितों की लगातार उपेक्षा स्वीकार नहीं की जाएगी और प्रबंधन को तत्काल वार्ता प्रारंभ करनी चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एटक के व्ही.सी. जैन, एचएमएस के अरविंद सिंह, इंटक के अजीत यादव तथा सीटू के सुरेश पटेल ने संयुक्त रूप से कहा कि कोयला श्रमिक देश की ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ हैं। इसलिए उनके न्यायोचित अधिकारों की रक्षा करते हुए जेबीबीसीआई-ङ्खढ्ढ का तत्काल गठन कर समयबद्ध वेतन समझौता किया जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई तो संयुक्त ट्रेड यूनियनें व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगी।

ज्ञापन के दौरान विश्रामपुर क्षेत्र के श्रमिकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का सफल संचालन एटक के क्षेत्रीय सचिव पंकज गर्ग ने किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रबंधन की ओर से स्टाफ ऑफिसर (एचआर) एस.के.पी. शिंदे, वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर) राजेंद्र गुप्ता एवं क्षेत्रीय सुरक्षा प्रभारी रात्रे ने महाप्रबंधक कार्यालय के मुख्य द्वार पर पहुंचकर यूनियनों का ज्ञापन प्राप्त किया तथा आश्वासन दिया कि इसे शीघ्र ही कोल इंडिया के उच्च प्रबंधन तक भेजा जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

आईसीआईसीआई बैंक ने अनूपपुर जिले के बेलियाछोट में नई शाखा खोली, यह गांव की पहली बैंक शाखा है

अनूपपुर: आईसीआईसीआई बैंक ने मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के बेलियाछोट गांव में अपनी नई शाखा शुरू की है। यह गांव की पहली बैंक शाखा है और जिले में बैंक की दूसरी शाखा है। इस शाखा का उद्घाटन अनूपपुर के कलेक्टर एवं डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट श्री हर्षल पंचोली ने किया। यह शाखा कई तरह के अकाउंट और डिपॉजिट देती है, जिसमें सेविंग्स और करंट अकाउंट, फिक्स्ड और रेकरिंग डिपॉजिट और पर्सनल लोन, फार्म इक्विपमेंट लोन, किसान क्रेडिट कार्ड, होम लोन, ऑटो लोन, प्रॉपर्टी पर लोन, बिजनेस लोन और एजुकेशन लोन जैसे लोन शामिल हैं, साथ ही कार्ड संबंधी सेवाएं भी दी जाएंगी। यह शाखा बुधवार को छोड़कर, हफ्ते के बाकी दिनों में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक और महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को भी खुली रहेगी। शाखा में टैब बैंकिंग की सुविधा भी उपलब्ध है जिसके तहत बैंक का कर्मचारी टैबलेट की मदद से ग्राहक के घर या कार्यस्थल पर जाकर लगभग 100 बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर सकता है। इनमें खाता और एफडी खोलना, चेकबुक के लिए अनुरोध दर्ज करना, ई-स्टेटमेंट जारी करना, पता बदलना सहित कई अन्य सेवाएं शामिल हैं। मध्य प्रदेश में आईसीआईसीआई बैंक की 358 शाखाएं तथा 429 एटीएम और सीआरएम हैं।

अशिताका के साथ अपनी मक्के की फसल को सुरक्षित रखने का यही सही समय है

मुंबई: मध्य प्रदेश के मक्का किसानों के लिए, फसल की शुरुआती अवस्था इस मौसम के सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक होती है। जैसे ही फसल जमना शुरू होती है, घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार नमी, पोषक तत्वों और धूप के लिए तेजी से मुकाबला करने लगते हैं, जिससे शुरुआत से ही पौधे के बढ़ने की क्षमता कम हो जाती है। इन खरपतवारों को नियंत्रित करने का सबसे असरदार समय तब होता है जब खरपतवार 2 से 4 पत्तियों की अवस्था में हों, और राज्य के कई मक्के के खेतों के लिए यह सही समय अभी है। इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान किसानों को अपनी फसल की रक्षा करने में मदद करने के लिए, गोदरेज एग्रोवेट ने आईकेएस जापान के सहयोग से अशिताका पेश किया है, जो विशेष रूप से मक्के के लिए तैयार किया गया एक खरपतवार नाशक है। 400 मिलीलीटर प्रति एकड़ सर्फेक्टेंट के साथ 50 मिलीलीटर प्रति एकड़ की अनुशंसित खुराक में उपयोग किए जाने पर, अशिताका घास और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण देता है। यह फसल और खरपतवार के बीच के मुकाबले को कम करता है, जिससे मिट्टी की नमी और पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग हो पाता है। सही समय पर इसका उपयोग फसल को मजबूती से जमने, पौधों के स्वस्थ विकास और पैदावार की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

ग्रामीणों की मांगें हुई पूरी, थनौद के किसानों ने जताया आभार

दुर्ग। भारतमाला सड़क परियोजना के अंतर्गत ग्राम थनौद से जुड़ी लंबे समय से लंबित महत्वपूर्ण मांगों का समाधान होने पर ग्रामीणों और किसानों ने जनदर्शन में पहुंचकर कलेक्टर अभिजीत सिंह का आभार व्यक्त किया है। ग्रामीण कृषकों ने बताया कि आवागमन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए अंडरब्रिज की ऊंचाई बढ़ाने जनदर्शन में मांग की जा रही थी, जिसे स्वीकृति प्रदान किया गया। इसके अलावा शिवनाथ नदी-नाले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित पुल (ब्रिज) की लंबाई बढ़ाने की मांग भी पूरी की गई है, जिससे बारिश के दौरान जलभराव और बाढ़ का प्रभाव कम होगा तथा लोगों और किसानों को आवागमन में राहत मिलेगी। ग्रामीणों का कहना है कि इन मांगों के पूरा होने से क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी और भविष्य में किसानों एवं आम नागरिकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। मांगों के निराकरण पर ग्रामवासियों और कृषकों अनिल देवांगन, चंद्रकात सिन्हा, देवराज चतुर्वेदी, उमेन्द्र सिन्हा, हुमत धनकर, तारक सिन्हा, धनराज देवांगन ने कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं संबंधित अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शुक्रवार 03 जून 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

मज़ाक जैसा महसूस हुआ

अमेरिका के हालिया व्यवहार को ध्यान में रखें, तो ट्रंप का यह कहना कि जब तक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं, हमला होने पर अमेरिका भारत की मदद के लिए खड़ा होगा, मज़ाक जैसा महसूस हुआ है! नरेंद्र मोदी से डॉनल्ड ट्रंप की मुलाकात से कुछ घंटे पहले ही अमेरिकी युद्ध मंत्रालय ने अपने इंडो-पैसिफिक कमांड के नाम से 'इंडो' शब्द हटा दिया। अब उसे यूएस पैसिफिक कमांड के पुराने नाम से जाना जाएगा। 2018 में ट्रंप-1 प्रशासन ने जब इंडो-पैसिफिक नाम रखा, तब तत्कालीन अमेरिकी रक्षा मंत्री जेम्स मैटिस ने कहा था- 'हमें हिंद महासागर, भारतीय उपमहाद्वीप, और निश्चित रूप से खुद भारत के बढ़ रहे महत्त्व को समझने की जरूरत है। इसलिए मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं नाम यथार्थ को प्रतिबिंबित करे।' ट्रंप-2 प्रशासन की निगाह में वो यथार्थ बदल गया है- यह उसके नए राष्ट्रीय सुरक्षा दस्तावेज से जाहिर हो गया था, जिसमें भारत का उल्लेख संदर्भवश हुआ। ट्रंप के व्यवहार और उनके प्रशासन के कदमों का सार भी यही है कि उनकी रणनीतिक सोच में भारत की पहले जैसी अहमियत नहीं रही। आठ साल पहले चीन को घेरना और उसका उदय रोकना अमेरिका की प्राथमिकता बनी थी। ट्रंप-2 प्रशासन का आकलन है कि चीन महाशक्ति बन चुका है और अब चुनौती उसके साथ तालमेल बनाकर टकराव टालने की है। इसीलिए अपनी बीजिंग यात्रा के दौरान ट्रंप 'रणनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने वाले रचनात्मक संबंध' के चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के प्रस्ताव पर सहमत हो गए। चीन के राष्ट्रपति से अपनी मुलाकात को उन्होंने जी-2 कहना शुरू किया है। जी-7 शिखर बैठक के मौके पर फ्रांस के एवियन में हुई प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मोदी की मौजूदगी में उन्होंने सितंबर में तय जी-2 बैठक का जिक्र किया। तो यह साफ है कि अमेरिकी रणनीति में भारत का महत्त्व चीन को घेरने की उसकी प्राथमिकता के तहत बढ़ा था। अब चूंकि प्राथमिकता बदल गई है, तो क्वॉड जैसे समूह या इंडो-पैसिफिक जैसे फ़ौरी जरूरत के हिसाब से अपनाए गए नाम उसके लिए अप्रासंगिक हो गए हैं। अब उसकी प्राथमिकता है भारत से अधिकतम कीमत वसूलना। ऐसे में मोदी से मुलाकात के दौरान ट्रंप का प्रधानमंत्री को सबसे खूबसूरत व्यक्ति और कातिलाना शख्स कहना या यह कहना कि जब तक मोदी प्रधानमंत्री हैं, हमला होने पर अमेरिका भारत की मदद के लिए खड़ा होगा, मज़ाक के जैसा महसूस हुआ है!

होर्मुज संकट का मुकाबला

भारत ने सबसे बड़े ऊर्जा संकट का कैसे सामना किया

हरदीप सिंह पुरी

जब फरवरी के अंत में होर्मुज की खाड़ी बंद हुई, तो भारत सरकार ने एक प्राथमिकता का चयन किया - हमारे देश के नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर समुदायों, को अभूतपूर्व आपूर्ति और मूल्य व्यवधानों से सुरक्षित रखना। इस प्राथमिकता के आस-पास ही अन्य प्रयास किये जाने थे। यह भावना खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की थी और यह आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े ऊर्जा व्यवधान के लगभग चार महीनों तक बनी रही। तथ्यों के पता चलने से पहले ही भारत को लेकर निर्णय किये जा रहे थे: तर्क यह था कि एक ऐसा देश, जो अपने कच्चे तेल का 85त्न से अधिक आयात करता है, होर्मुज के बंद होने से संभल नहीं पायेगा, जिससे होकर दुनिया का 20-30त्न से अधिक हाइड्रोकार्बन गुजरता है। पेट्रोल पंप में कुछ ही दिनों में तेल खत्म हो जाएगा, कीमतें आसमान छुएंगी (जैसे कि कई अन्य देशों में हुआ) और अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी। आज स्टॉक भरे हुए हैं, पंप खुले हैं, और भारतीय उपभोक्ता ने इस संकट के दौरान ऊर्जा के लिए दुनिया के किसी भी अन्य उपभोक्ता की तुलना में कम भुगतान किया है। यह स्पष्ट करना जरूरी है कि इसे कैसे किया गया और इससे गलत आख्यानों को जवाब भी मिल जाएगा। 28 फरवरी को ईरान पर हमलों से वैश्विक ऊर्जा मानचित्र पर सबसे महत्वपूर्ण मार्ग-खंड बंद हो गया और एलपीजी आपूर्ति ने भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती पेश की, क्योंकि दुनिया में केवल अमेरिका और मध्य पूर्व ही प्रमुख एलपीजी निर्यातक हैं। भारत की लगभग 60त्न एलपीजी पहले मध्य पूर्व से आती थी और यह आपूर्ति तुरंत लगभग शून्य हो गई। फिर आपूर्ति और मांग, दोनों को लेकर एक युद्धकक्ष ऑपरेशन शुरू हुआ, हर कार्गो, हर रिफाइनरी, हर बॉटलिंग प्लांट की निगरानी की गयी, ताकि पूरे देश के सभी रसोईघरों में खाना पकाने के लिए आग जलती रहे। आपूर्ति के संबंध में, 8 मार्च को एलपीजी नियंत्रण आदेश पारित किया गया, जिसके तहत सभी रिफाइनरियों को अपना एलपीजी उत्पादन अधिकतम करने के लिए सभी सी3-सी4 कार्बन स्ट्रीम को बदलने का निर्देश दिया गया। जो रिफाइनरी कभी कुकिंग गैस नहीं बनाती थीं, बदलाव किया गया और उत्पादन 35 टीएमटी प्रति दिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रति दिन हो गया। युद्ध की सर्वाधिक विभीषिका के दौरान, जब होर्मुज से कोई भी जहाज बाहर नहीं निकल रहा था, तब 12 से अधिक भारतीय एलपीजी जहाजें चुपचाप होर्मुज से बिना कोई टोल दिए निकाल दी गईं - किसी भी देश के लिए यह सबसे बड़ी संख्या थी। कार्गो सुरक्षित किए गए तथा यानबू और फुजैरा बंदरगाहों से लाल सागर रास्ते के जरिए कार्गो जहाज-से-जहाज स्थानांतरित किये गये। अमेरिका से कार्गो को सुरक्षित करने की स्थिति में भी खाली जहाज भेजे गए, नए माल लेने के लिए जहाज हॉर्मुज के अंदर भेजे गए तथा अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे कई देशों के साथ नई आपूर्ति व्यवस्था शुरू की गयी। मैंने हर उस देश के ऊर्जा मंत्री से कई बार बात की, जो एलपीजी निर्यात कर सकता था। मैं यह बात कहना चाहता हूँ कि खाड़ी क्षेत्र के अंदर या बाहर का हर उत्पादक, जिसके साथ हमने व्यापार किया, हमारे साथ खड़ा रहा। हालांकि, आपूर्ति प्रयास का केवल आधा हिस्सा था, क्योंकि मांग को भी प्राथमिकता देना जरूरी था। घरों में जाने वाला रसोई गैस पूरा सुरक्षित रखा गया और इस कीमती आपूर्ति को काले बाज़ारियों से बचाने के लिए डिजिटल सत्यापन कोड अनिवार्य किया गया। हर नागरिक को उनके ज़रूरत के समय सिलेंडर मिलें, लेकिन कोई भी सिलेंडर जमा न कर सके, इसके लिए 25 दिन और 45 दिन की सीमा लगाई गई। चूँकि, वाणिज्यिक सिलेंडरों को नियंत्रित नहीं किया जाता और कोई भी खरीदार उपलब्ध पूरी आपूर्ति एक साथ खरीद सकता था, इसलिए इन्हें उद्योग संघों और राज्य नागरिक आपूर्ति विभागों के माध्यम से भेजा गया, ताकि हर किसी को पर्याप्त मिले और कोई भी जमा न कर सके। उद्योग को पाइप प्राकृतिक गैस अपनाने के लिए कहा गया, बड़े रसोईघरों और प्रतिष्ठानों को अन्य ईंधनों का इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जहाँ संभव था और घरेलू पाइप गैस और सीएनजी को बिना कटौती वाले वर्ग में रखा गया। सरकार के सभी विभागों ने मिलकर नगर निगम की शीघ्र मंजूरी के ज़रिए पाइप गैस कनेक्शनों की ओर बदलाव को संभव बनाया। कई उपभोक्ता, जिनमें प्रवासी भी शामिल थे, एजेंट से सिलेंडर खरीदते थे, जो अब डीएसी की शर्तों के कारण सिलेंडर नहीं ला पा रहे थे, इसलिए पूरे देश में 5 किलो का मुफ्त व्यापार सिलेंडर उपलब्ध कराया गया, जब तक इसका इस्तेमाल लगभग दोगुना नहीं हो गया। लोगों में भय पैदा करने वाले और खराब स्थिति बताने वाले झूठी अफवाहें फैलाने लगे और झूठे वीडियो शेयर करने लगे ताकि कमी, घबराहट और अराजकता का माहौल पैदा किया जा सके, जबकि सरकार हर दिन युद्धकक्ष मोड में कई क्रांतिकारी कदम उठा रही थी, ताकि देश में किसी भी जगह आपूर्ति में बाधा न आये। इस सब के पीछे प्रधानमंत्री मोदी का दृढ़ संकल्प था - भारतीय नागरिक को सुरक्षा दी जायेगी चाहे खजाने पर कितना भी बोझ क्यों न पड़े —रूस-यूक्रेन संघर्ष और जीवन को संकट में डालने वाली कोविड चुनौती से पैदा हुए ऊर्जा संकट के दौरान यही 'भारत की राह' रही है। फरवरी और जून के बीच, रसोई गैस के अंतरराष्ट्रीय मानक, सऊदी सी पी, में लगभग 50त्न की वृद्धि हुई, और फिर भी, उस आयात दर पर ?1,600 से अधिक की कीमत वाला सिलेन्डर उज्ज्वला घर तक ?642 में पहुँचा। मोदी सरकार हर उज्ज्वला सिलेंडर पर लगभग ?900 का और हर अन्य घर के लिए जाने वाले सिलेंडर पर करीब ?600 का नुकसान उठाती है, आज सभी भारतीय परिवार अपने रसोई गैस के लिए पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, स्पेन या फ्रांस के घरों की तुलना में बहुत कम भुगतान कर रहे हैं। मार्च में केंद्रीय उत्पाद शुल्क में ?10 प्रति लीटर की कटौती का साहसिक निर्णय लिया गया, जिससे कीमत-वृद्धि में कमी आयी, जबकि कच्चे तेल की कीमत लगभग दोगुनी हो गयी थी और सरकारी तेल कंपनियों ने इस तिमाही में हर दिन 500 से 1000 करोड़ रुपये तक का नुकसान उठाया। इसी अवधि में, अमेरिका में पेट्रोल की कीमत 40त्न से अधिक और ब्रिटेन में करीब 20त्न बढ़ी, जबकि यूरोप के बड़े हिस्से में भी दहाई अंक की वृद्धि हुई, लेकिन भारत में कीमत में लगभग 7त्न की ही वृद्धि हुई। एक और कहानी यह थी कि पूरी अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी, विदेशी भंडार खत्म हो जाएंगे और हमारी आर्थिक संभावनाएँ धुंधली हो जाएंगी। भंडार खुद जवाब देते हैं, जो लगभग 690 बिलियन डॉलर के करीब है। यह संघर्ष शुरू होने के सप्ताह में रिकॉर्ड किये गये उच्चतम दर से केवल थोडा कम है और भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछली तिमाही में 7.8त्न की वृद्धि दर्ज की है। यह कहा गया कि भारत के पास केवल 8 या 9 दिन का भंडार है और उसके पास ज्यादा भंडार रखने की वास्तविक क्षमता नहीं है, यह दावा 1.5 बिलियन लोगों वाली बड़ी ऊर्जा अर्थव्यवस्था के काम करने के तरीके को गलत रूप में समझता है। आप किसी देश को कुछ गुफाओं से नहीं चला सकते, क्योंकि जमीन के भीतर रखी गई ऊर्जा से कुछ भी कमाई नहीं होती और उसे रखने में बहुत ज़्यादा खर्च भी आता है। इसके बजाय आप इसे इम्पोर्ट टर्मिनल, डिपो, पाइपलाइन, रिफाइनरी और पूरे देश में फैले स्टोरेज के सिस्टम के जरिए चलाते हैं, और आज भारत के पास 24 रिफाइनरी हैं, 47,000 किलोमीटर से ज्यादा तेल और गैस की पाइपलाइनें हैं, और 1 लाख से ज्यादा पेट्रोल पंप हैं जो प्रतिदिन करीब 8 करोड़ लोगों की सेवा करते हैं। उस प्रणाली की वास्तविकता की जांच, महाप्रलय का भय दिखाने वाले किसी भविष्यवक्ता की स्लाइड पर दिखाए गए आंकड़े से नहीं होती। असली जांच है - आधुनिक समय के सबसे बड़े ऊर्जा संकट के लगभग चार महीने गुजर जाने के बाद, क्या देश को अपने लोगों पर राशनिंग लागू करनी पड़ी, क्या ईंधन सिर्फ सम-विषम नंबर प्लेट्स के हिसाब से देना पड़ा, क्या घर में ऑफिस बनाना पड़ा या क्या हर दिन 5 बजे अपने पंप बंद करने पड़े। भारत को इनमें से कोई काम नहीं करना पड़ा। यह सब इसलिए संभव हुआ, क्योंकि पिछले कई सालों में इसकी तैयारी की गई थी। हमारे कच्चे तेल के बास्केट को 27 देशों से बढ़ाकर 41 करना, हमारे आयात टर्मिनल को दुगना करना, और प्रधानमंत्री मोदी के तहत एक दशक में बनाए गए पाइपलाइन और भंडार, होर्मुज के बंद होने पर ये सभी चीजें उपयोगी साबित हुईं; यही वजह थी कि रोशनी जलती रही। इस स्तर का संकट एक देश को उसकी असली क्षमता दिखाता है। भारत ने होर्मुज के बंद होने की बाधा पार की और देश में कहीं भी बिना किसी कमी के आपूर्ति जारी रही। इस अनुभव से सीख लेकर, हम अपनी ऊर्जा सुदृढ़ता को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त क्षमताओं का निर्माण करेंगे, लेकिन जब इस संघर्ष का इतिहास लिखा जाएगा, तो एक पंक्ति मौजूद रहनी चाहिए: मानव स्मृति का सबसे बड़ा ऊर्जा संकट हमारे तटों तक पहुंचा, लेकिन 150 करोड़ भारतीय नागरिक सुरक्षित रहे।

(लेखक केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं।)

आलेख

भारत और खाड़ी संकट का आर्थिक प्रभाव: सब कुछ स्थिर और सामान्य रहा

वी. अनंत नागेश्वरन

जब फरवरी के अंत में हवाई हमलों के कारण हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य बंद हो गया — ऐसा समुद्री मार्ग जिससे होकर दुनिया के कच्चे तेल का करीब एक-पांचवां हिस्सा और भारत के कच्चे तेल और खाना पकाने के गैस का अधिकांश हिस्सा गुजरता है — तो भारत के लिए कहानी पहले ही लिखी हुई लग रही थी। एक ऐसा देश, जो अपने कच्चे तेल का दस में से नौ हिस्सा और आधे से ज्यादा खाना पकाने के गैस का खाड़ी से आयात करता है, उसके लिए आम तौर पर यही उम्मीद की जा रही थी कि पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगेंगी, रसोई में गैस खत्म हो जाएगी, रुपये की कीमत गिरेगी और डॉलर के लिए होड़ मचेगी। लगभग चार महीने बाद, जब जलडमरूमध्य फिर से खुल गया और कच्चे तेल की आपूर्ति अपने संकट-पूर्व स्तर के करीब पहुँच गयी, तो इनमें से कुछ भी नहीं हुआ। एक भी रिटेल आउटलेट बंद नहीं हुआ। जिस भी परिवार को सिलेंडर चाहिए था, उसे सिलेंडर मिल गया। भारत को न तो 1991 जैसे और न ही 2013 जैसे हालात का सामना करना पड़ा। व्यापक आर्थिक स्थिरता बनी रही।

यह कोई संयोग नहीं था और न ही यह सिर्फ़ किस्मत की बात थी। यह एक ऐसे सरकार का काम था, जिसने वही तरीका अपनाया, जो उसने महामारी के समय अपनाया था — जानबूझकर और धीरे-धीरे कदम उठाना, एक ही बार में कोई बड़ा या नाटकीय बदलाव करने के बजाय एक उपाय के ऊपर दूसरे उपाय को जोड़ना। पहली प्राथमिकता घर-परिवार थे। इस पूरी अवधि के दौरान, एक भी रिटेल आउटलेट का स्टॉक खत्म नहीं हुआ और हर रसोईघर में सिलेंडर मौजूद रहा। आयात से जुड़ी लागत के कारण 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 1,600 रुपये से ऊपर चली गई थी, फिर भी घरों के लिए इसकी कीमत 900 रुपये के आसपास ही रखी गई और सबसे गरीब लोगों के लिए तो यह कीमत और भी कम थी। महामारी के शुरुआती महीनों की यादें एक सबक थीं, जब प्रवासी मजदूरों में मची घबराहट के कारण गांवों की ओर लौटने वालों की लहर चल पड़ी थी। वाणिज्यिक और थोक उपयोगकर्ताओं को घरों की जरूरत को प्राथमिकता देने के लिए कहा गया। पूरी अर्थव्यवस्था को चलाने वाले ईंधन के मामले में, सरकार ने इसका बोझ खुद उठाने का फ़ैसला किया, न कि इसे आम लोगों पर डाला। सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर उत्पाद शुल्क में दस रुपये प्रति लीटर की कटौती की, जिससे उसे लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ, इसके अलावा विमानन ईंधन पर भी बोझ कम किया गया। इसके बाद तेल विपणन कंपनियों ने दो महीने से ज़्यादा समय तक पंप पर कीमतें स्थिर रखीं और फिर एक बार मामूली बदलाव किया। इसके पीछे की वजह साफ़ है: ऐसी अनिश्चितता के समय में, सिर्फ़ सरकार के पास ही जोखिम उठाने के लिए ज़रूरी बैलेंस शीट और समय होता है; और इसने परिवारों और कंपनियों पर असर डालने के बजाय राजकोषीय खाते पर बोझ डालने का विकल्प चुना। एयरलाइंस के लिए खास समर्थन तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए ऋण-गारंटी योजना, कोविड के दौर में अपनाए गए खास और असरदार उपायों के मॉडल पर ही आधारित थीं। कीमत में राहत के पीछे आपूर्ति की मजबूत स्थिति थी। घरेलू रिफाइनरियों ने एक हफ्ते में ही रसोई गैस का उत्पादन आधा बढ़ा दिया, जिससे आयात से आने वाली गैस की कमी काफी हद तक पूरी हो गई। भारत ने जल्दी ही अपने स्रोतों का विस्तार किया, अमेरिका और रूस से खरीद बढ़ायी और नए आपूर्तिकर्ता देश जोड़े, ताकि जलडमरूमध्य से होकर कम ऊर्जा आये; साथ ही रूसी कच्चा तेल खरीदना जारी रखने के लिए ज़रूरी छूट भी हासिल कर ली। सरकार ने लंबी अवधि के लिए भी कदम उठाए: घरों को सिलेंडर के बदले पाइप से गैस पहुँचाना, कोयले गैसीकरण कार्यक्रम, ईथेनॉल मिश्रण को और बढ़ावा देना तथा प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात यात्रा के दौरान रणनीतिक तौर पर कच्चा तेल भंडारण पर सहमति। भारत उन कुछ देशों में से एक था, जिसने होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुज़रने वाले जहाजों की संख्या बहुत कम हो जाने के बावजूद अपना कार्गो लाना जारी रखा।

लापरवाही की लपटों में जलती जिंदगी:कब जागेगा तंत्र

लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में एक व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने केवल एक इमारत को नहीं जलाया, बल्कि शासन-प्रशासन की संवेदनहीनता, नियामक संस्थाओं की निष्क्रियता और व्यवस्था की खोखली पड़ चुकी जवाबदेही को भी उजागर कर दिया है। इस दुर्घटना में कोचिंग सेंटर के अनेक विद्यार्थियों की असामयिक मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया है। यह केवल एक हादसा नहीं, बल्कि उस सड़ी-गली व्यवस्था का परिणाम है, जो हर त्रासदी के बाद कुछ दिनों तक सक्रिय दिखती है और फिर गहरी नींद में सो जाती है। राजकोट के गेमिंग जोन में आग, दिल्ली के शिशु अस्पताल में नवजातों की मौत, दिल्ली के होटल अग्निकांड, मुजफ्फरपुर अस्पताल की दुर्घटना और अब लखनऊ का अग्निकांड-इन घटनाओं की श्रृंखला बताती है कि भारत में मानव जीवन का मूल्य लगातार घटता जा रहा है। हर बार वही बयान सुनाई देता है-'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा', 'जांच के आदेश दे दिए गए हैं', 'कड़ी कार्रवाई होगी'। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या जांच और मुआवजा ही शासन का अंतिम दायित्व है? क्या सरकारें केवल दुर्घटना के बाद शोक व्यक्त करने और मुआवजा बांटने के लिए हैं? इन जहरीली काली आग ने कितने ही परिवारों के घर के चिराग बुझा दिए। कितनी ही आंखों की रोशनी छीन ली और एक कालिख पोत दी कानून और व्यवस्था के कर्णधारों के मुँह पर। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका लखनऊ की जिस इमारत में आग लगी, वहां कोचिंग सेंटर और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। यह अत्यंत गंभीर प्रश्न है कि क्या उस भवन को अग्निशमन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त था? क्या भवन निर्माण मानकों का पालन किया गया था? क्या वहां आपातकालीन निकास मार्ग उपलब्ध थे? यदि थे, तो वे उपयोग में क्यों नहीं आए? और यदि नहीं थे, तो इतने लंबे समय तक प्रशासन की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी? यह केवल भवन स्वामी की लापरवाही नहीं है। यदि कोई व्यावसायिक संस्थान नियमों की अनदेखी करते हुए वर्षों तक संचालित होता रहता है, तो स्पष्ट है कि कहीं न कहीं प्रशासनिक तंत्र की मौन सहमति या भ्रष्ट गठजोड़ सक्रिय है। आखिर नगर निगम, विकास प्राधिकरण, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी क्या है? क्या उनका कार्य केवल लाइसेंस जारी करना और औपचारिक निरीक्षण करना भर रह गया है? या कमियों को ढंकते हुए अपनी जैबें गर्म करते रहना है? वास्तविकता यह है कि देश के अधिकांश शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा भगवान भरोसे है। ऊंची-ऊंची इमारतें खड़ी हो रही हैं, लेकिन उनमें सुरक्षा मानकों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। बहुमंजिला भवनों में अक्सर एक ही प्रवेश एवं निकास मार्ग होता है। अग्निशमन उपकरण या तो अनुपस्थित होते हैं या वर्षों से निष्क्रिय पड़े रहते हैं। आपदा प्रबंधन की कोई नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती। भवनों में क्षमता से अधिक लोगों को प्रवेश दिया जाता है। नियम पुस्तकों में सुरक्षा व्यवस्था भले मौजूद हो, लेकिन जमीन पर उसकी स्थिति नगण्य है। इस विडम्बना का सबसे दुखद पक्ष यह है कि हर बड़ी दुर्घटना के बाद जांच समितियां गठित होती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, लेकिन उन रिपोर्टों पर अमल नहीं होता। उपहार सिनेमा अग्निकांड से लेकर राजकोट और लखनऊ तक, देश ने अनेक त्रासदियों से सबक लेने की बात कही, परंतु व्यवस्था ने कुछ नहीं सीखा। प्रशासन की स्मृति अत्यंत अल्पकालिक हो चुकी है। कुछ दिनों तक छापेमारी, निरीक्षण और नोटिस जारी करने का नाटक चलता है और फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाता है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक अक्षमता की नहीं, बल्कि नैतिक पतन की भी है। भ्रष्टाचार ने सुरक्षा व्यवस्था की आत्मा को खोखला कर दिया है। निरीक्षण करने वाले अधिकारी सुविधा शुल्क लेकर आंखें मूंद लेते हैं। भवन स्वामी अधिक लाभ कमाने के लिए सुरक्षा उपायों की उपेक्षा करते हैं। परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक अपनी जान गंवाते हैं। प्रश्न यह भी है कि क्या हमारे शहरों का विकास मानव-केंद्रित है? हम स्मार्ट सिटी, मेट्रो सिटी और विश्वस्तरीय शहरों के निर्माण की बात करते हैं, लेकिन यदि नागरिक सुरक्षित नहीं हैं, तो ऐसे विकास का क्या अर्थ है? किसी भी सभ्य समाज की पहली पहचान उसके नागरिकों की सुरक्षा होती है। यदि एक कोचिंग संस्थान, अस्पताल, होटल या मॉल भी सुरक्षित नहीं है, तो हमें अपने विकास मॉडल पर पुनर्विचार करना होगा। आज आवश्यकता केवल दोष निर्धारण की नहीं, बल्कि व्यापक संरचनात्मक सुधारों की है। सबसे पहले देशभर में सभी व्यावसायिक भवनों, कोचिंग संस्थानों, अस्पतालों, मॉल, होटल और सार्वजनिक स्थलों का स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट कराया जाना चाहिए। जिन संस्थानों के पास अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र नहीं हैं या जो मानकों का पालन नहीं करते, उन्हें तत्काल बंद किया जाना चाहिए। दूसरे, अग्निशमन विभाग को आधुनिक संसाधनों और पर्याप्त मानवबल से सुसज्जित करना होगा। अनेक रिपोर्टों के अनुसार देश में फायर स्टेशनों और प्रशिक्षित फायर कर्मियों की भारी कमी है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण के अनुरूप अग्निशमन सेवाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक है। तीसरे, प्रत्येक सार्वजनिक भवन में हर छह माह में अनिवार्य मॉक ड्रिल आयोजित की जानी चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों और कोचिंग संस्थानों में आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में लोग घबराने के बजाय संयमपूर्वक अपनी सुरक्षा कर सकें। चौथे, जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। केवल भवन स्वामी ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों के उन अधिकारियों पर भी कठोर दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने लापरवाही बरती या नियमों की अनदेखी की।

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा

ललित गर्ग

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके। इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का

रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी। इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है। राजनीति दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा। इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, शुक्रवार 03 जुलाई 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

चार माह में निर्माण पूर्ण करने का संकल्प

आचार्य शांतिसागर छाणी समाधि स्थली के जीर्णोद्धार हेतु भूमि पूजन समारोह सागवाड़ा में संपन्न

सागवाड़ा (विश्व परिवार)। प्रशम मूर्ति आचार्य शांतिसागर छाणी महाराज की पावन समाधि स्थली के जीर्णोद्धार कार्य के शुभारंभ हेतु 1जुलाई बुधवार को प्रात: छोटी नसिया, सागवाड़ा में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ ।

समाधि स्थली के जीर्णोद्धार की प्रेरणा भारत गौरव आर्यिका रत्न 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी से प्राप्त हुई। कार्यक्रम का मार्गदर्शन आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष समिति के अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी (इंदौर) ने किया ।

अध्यक्ष हसमुख जैन गांधी ने कहा कि आचार्य शांतिसागर जी महाराज के आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष के औपचारिक शुभारंभ से पूर्व ही समाधि स्थल का जीर्णोद्धार पूर्ण करने का संकल्प लिया गया है। पूज्य आर्यिका रत्न 105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी की पावन प्रेरणा से प्रारंभ हुए इस कार्य का उद्देश्य समाधि स्थल को विश्वस्तरीय स्वरूप प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि आगामी एक वर्ष तक देशभर में आचार्य पदारोहण शताब्दी वर्ष के विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे तथा आचार्य शांतिसागर जी महाराज के तप, त्याग एवं आदर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। हमारा प्रयास है कि यह समाधि स्थल देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणास्थल के रूप में विकसित हो । समारोह में जैन समाज के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान सरकार के पूर्व राज्य मंत्री दिनेश खोड़निया ने चरण-छत्री स्मारक एवं समाधि स्थली के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आचार्य शांतिसागर जी महाराज समाज के गौरव थे । उन्होंने सागवाड़ा में मुनि दीक्षा ली और दो चातुर्मास भी किए तथा यहीं समाधि को प्राप्त हुए। इसलिए यह स्थान संपूर्ण जैन समाज की अमूल्य धरोहर है । समिति के महामंत्री ज्ञानेंद्र जैन (जहाजपुर) ने कहा कि समाधि स्थल के जीर्णोद्धार में धन की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। सागवाड़ा समाज के सहयोग से इस कार्य को सर्वोत्तम रूप दिया जाएगा।

संयम और नम्रता युक्त आचरण से सफलता सुनिश्चित, निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर महाराज

गौरेला। संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य निर्यापक श्रमण श्री प्रसाद सागर महाराज ने कहा कि अमरकंटक पर्वत से उद्गमित नर्मदा नदी सूदूर यात्रा कर खंभात की खाड़ी में सागर से जा मिलती है। नदी दोनों तटों के बीच बहकर लक्ष्य को पा जाती है। सरिता के दोनों तट संयम रूपी सीमा की भांति हैं।

नदी अगर संयम के तट के बीच बहती है,तभी यात्रा सफल होती है।तट टूट जाये तो लक्ष्य छूट जाता है। यात्रा की सफलता संयम में ही निहित है। आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्यों मुनि श्री प्रसाद सागर जी महाराज और मुनि श्री शीतल सागर जी महाराज के गौरेला नगर आगमन पर जैन समाज गौरेला ने नगर की सीमा पर उत्साह पूर्वक अगवानी की।

नगर आगमन के उपरांत जैन धर्मावलंबियों को संबोधित करते हुए निर्यापक श्रमण श्री प्रसाद सागर महाराज ने आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के कथन का स्मरण करते कहा कि अमरकंटक के संबंध में उन्होंने कहा था कि यहां ध्यान लगाने की आवश्यकता नहीं होती ध्यान स्वयं ही लग जाता है। गिर से गिरती हुई सरिता सागर में समा जाती है। नदी की निम्नगा कहते हैं, नम्रता और विनय युक्त आचरण आपकी सफलता सुनिश्चित करते हैं।

आपने कहा कि ताला जिस चाबी से लगता है उसी चाबी से ताला खुलता भी है। ऐसा ही ज्ञान है ज्ञान यदि राग मोह के साथ हो तो प्रतिकूल परिणाम देता है और यदि समता के साथ हो तो अनुकूल परिणाम देता है। ज्ञान का उपयोग स्वपरकल्याण के लिये किया जाना चाहिए।

गणाचार्य श्री विरागसागरजी महाराज के तृतीय समाधि दिवस पर जालना में होगा भव्य महामहोत्सव , आचार्य श्री विनम्रसागरजी महाराज का मिलेगा मंगल सानिध्य

औरंगाबाद/जालना (महाराष्ट्र)। बुन्देलखण्ड के प्रथमाचार्य, भारत गौरव, श्रेष्ठ समाधि साधक परम पूज्य गणाचार्य श्री 108 विरागसागरजी महामुनिराज के तृतीय समाधि दिवस महामहोत्सव का भव्य आयोजन शनिवार, 4 जुलाई 2026 को विराग अक्षय समाधि तीर्थ, देवमूर्ति (जालना) में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक गरिमा के साथ आयोजित किया जाएगा।

इस पावन अवसर पर परम पूज्य विराग के चिराग, चम्बल के चंदन, गुरु विराग के लघुनन्दन, भक्तामर महोदधि उच्चारणाचार्य श्री 108 विनम्रसागरजी महामुनिराज (20 पिच्छी ससंघ) का परम मंगल सानिध्य श्रद्धालुओं को प्राप्त होगा। उनके सानिध्य में आयोजित होने वाला यह समारोह गुरु भक्ति, धर्म आराधना और आध्यात्मिक चेतना का अनुपम संगम बनेगा।

महामहोत्सव में भूतपूर्व न्यायाधीश कैलासचंदजी चांदीवाल, महावीरजी पाटणी (छत्रपति संभाजीनगर), फुलचंदजी जैन (छत्रपति संभाजीनगर) तथा भूषणजी कासलीवाल (चांदवड) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रात: 6.00 बजे जिनाभिषेक एवं शांतिधारा से होगा। इसके पश्चात 7:00 बजे गुरुचरणाभिषेक शांतिधारा, 7:30 बजे आचार्य परमेष्ठी विधान तथा 9:30 बजे आहार चर्या संपन्न होगी। दोपहर 1.30 बजे गुरु गुणानुवाद सभा में गणाचार्य श्री विरागसागरजी महाराज के तप, त्याग, संयम और आध्यात्मिक जीवन पर श्रद्धासुमन अर्पित किए जाएंगे।

प्रतिदिन देवदर्शन हमारे भीतर के राग, द्वेष, क्रोध और अहंकार के अंधकार को कम कर्ता है - गणिनी आर्यिका रत्न जिन देवी माताजी

जयपुर। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश अंधकार को दूर करता है, उसी प्रकार प्रतिदिन देवदर्शन हमारे भीतर के राग, द्वेष, क्रोध और अहंकार के अंधकार को कम करता है। ये उदगार आचार्य रत्न बाहुबली महाराज की पट्ट शिष्या गणिनीप्रमुख आर्यिकारत्न जिनदेवी माताजी ने गुरुवार, 2 जुलाई को सेठी कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि देवदर्शन का वास्तविक अर्थ केवल मंदिर जाकर भगवान को देखना नहीं, बल्कि उनके गुणों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना है। जब हम प्रतिदिन जिनेन्द्र भगवान के दर्शन करते हैं, तो हमारा मन संसार की उलझनों से हटकर शांति और पवित्रता की ओर अग्रसर होता है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिदिन श्रद्धा, विनय और भक्ति के साथ देवदर्शन करता है, तो उसका दिन शुभ विचारों से प्रारंभ होता है।

उसके मन में संयम, करुणा, क्षमा और नम्रता जैसे सद्गुण विकसित होने लगते हैं। देवदर्शन हमें यह स्मरण कराता है कि जीवन का अंतिम लक्ष्य केवल सांसारिक सुख नहीं, बल्कि आत्मकल्याण और मोक्ष की प्राप्ति है। इसलिए संकल्प लें कि चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, प्रतिदिन देवदर्शन अवश्य करेंगे। कुछ ही क्षणों का यह दर्शन पूरे दिन को पवित्र, शांत और मंगलमय बना सकता है। रोज देवदर्शन करने वाला व्यक्ति केवल भगवान के दर्शन नहीं करता, बल्कि अपने भीतर छिपे भगवान बनने के मार्ग को भी देखना प्रारंभ कर देता है।जिनवाणी स्तुति के साथ धर्म सभा का समापन हुआ।

विश्व खेल पत्रकार दिवस पर रायपुर प्रेस क्लब में खेल पत्रकारों का आत्मीय मिलन एवं सम्मान समारोह

- वरिष्ठ और युवा खेल पत्रकारों ने साझा किए यादगार मैदानी अनुभव

रायपुर (विश्व परिवार)। आज विश्व खेल पत्रकार दिवस के अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब द्वारा खेल पत्रकारों के सम्मान में आत्मीय मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खेल जगत की खबरों को जन-जन तक पहुँचाने वाले वरिष्ठ एवं युवा खेल पत्रकारों का सम्मान किया गया तथा खेल पत्रकारिता के विभिन्न आयामों पर सार्थक चर्चा हुई। समारोह के दौरान वरिष्ठ एवं युवा खेल पत्रकारों ने अपने-अपने दौर के यादगार, प्रेरक और चुनौतीपूर्ण अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने बताया कि किस प्रकार सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों में भी मैदान से खबरें जुटाकर उन्होंने खेल प्रेमियों तक सटीक और विश्वसनीय जानकारी पहुँचाई। साथ ही खेल पत्रकारिता के बदलते स्वरूप, नई तकनीकों और भविष्य की चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में खेल पत्रकारिता जगत के अनेक वरिष्ठ एवं प्रतिष्ठित पत्रकार उपस्थित रहे। इनमें प्रमुख रूप से प्रशांत शर्मा, प्रकाश शर्मा, विजय मिश्रा, डॉ. कमलेश गोगिया, शंकर चंद्राकर, पी. रामाराव नायडू, दिनेश कुमार, हेमंत डोंगरे, सुशील अग्रवाल, अख्तर हुसैन, पवन ठाकुर, अजय सक्सेना, स्टार जैन, प्रवीण सिंह, लवेंदर सिंघोत्रा एवं मनीष वोरा संतोष साहू जूनियर शामिल रहे।

ग्रामीण विकास को नई दिशा देगी वीबी-जी राम जी योजना - उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

- कबीरधाम के गंडईखुर्द से वीबी-जी राम जी योजना का हुआ राज्य स्तरीय शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। ग्रामीण परिवारों को रोजगार और आजीविका की नई गारंटी देने वाली विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण(वीबी-जी राम जी) योजना का राज्य स्तरीय शुभारंभ आज कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गंडईखुर्द से किया गया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राष्ट्रीय स्तर पर योजना का शुभारंभ केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति से किया। इस दौरान वे वर्चुअल माध्यम से ग्राम पंचायत गंडईखुर्द में आयोजित राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह से भी जुड़े रहे।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी-जीरामजी) योजना लागू हो रही है। इस योजना का उद्देश्य है कि देश का कोई भी गरीब काम के अभाव में बेरोजगार न रहे। उन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि योजना से जहां ग्रामीण मजदूरों को 125 दिनों का रोजगार मिलेगा, वहीं गांवों में विकास कार्यों को भी नई गति मिलेगी और ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर बदलेगी। श्री चौहान ने कहा कि मजदूरों के पसीने का सम्मान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। गरीबों की सेवा ही हमारे लिए भगवान की सेवा है।उपमुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि आज पूरे देश में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (वीबी-जीरामजी) योजना का शुभारंभ हो रहा है और छत्तीसगढ़ में इसका राज्य स्तरीय शुभारंभ ग्राम पंचायत गंडईखुर्द से किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश में योजना के तहत पहले कार्य के रूप में ग्राम पंचायत गंडईखुर्द में शेड निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह केवल रोजगार उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि विकसित गांव से विकसित भारत के निर्माण का अभियान है।

ई-ऑफिस के प्रभावी संचालन हेतु शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में ई-ऑफिस प्रणाली का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया जा चुका है।

अनासर काल के दौरान भगवान जगन्नाथ को अर्पित किया गया औषधीय काढ़ा, परंपरा और आस्था का अद्भुत संगम

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में अनासर काल की प्राचीन एवं दिव्य परंपरा के अंतर्गत भगवान श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को विधि-विधानपूर्वक औषधीय काढ़े का भोग अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न इस अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जगन्नाथ सेवा समिति के अध्यक्ष एवं रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पुरंदर मिश्रा ने बताया कि देव स्नान पूर्णिमा के अवसर पर 108 पवित्र कलशों के जल से महास्नान के उपरांत भगवान जगन्नाथ, बलभद्र एवं देवी सुभद्रा को अस्वस्थ होने की मान्यता है।

इसी कारण वे 15 दिनों तक अनासर (एकांतवास) में विराजमान रहते हैं। इस अवधि में भगवान के दर्शन श्रद्धालुओं के लिए वर्जित रहते हैं और उनकी सेवा विशेष आयुर्वेदिक पद्धति से की जाती है।

उन्होंने बताया कि अनासर काल के तीसरे दिन भगवान को औषधीय जड़ी-बूटियों, देशी मसालों एवं प्राकृतिक फलों से तैयार विशेष काढ़े का भोग अर्पित किया जाता है। इस अवधि में भगवान को सामान्य छप्पन भोग नहीं लगाया जाता, बल्कि स्वास्थ्य लाभ की भावना से औषधीय पेय एवं फलों का रस अर्पित किया जाता है। यह परंपरा सदियों से ओडिशा के पुरी स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर में चली आ रही है, जिसका पालन रायपुर के श्री जगन्नाथ मंदिर में भी पूर्ण श्रद्धा एवं विधि-विधान के साथ किया जाता है। विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि भगवान जगन्नाथ की प्रत्येक परंपरा मानव जीवन को स्वास्थ्य, सेवा, संयम और प्रकृति के प्रति सम्मान का संदेश देती है। अनासर काल केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति और सनातन जीवन मूल्यों का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन प्राचीन परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुँचाएं और उनके संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करें। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे अनासर काल की मर्यादाओं का पालन करते हुए भगवान जगन्नाथ की आराधना करें तथा आगामी भव्य रथयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

कार्यालय नगरपालिका परिषद गरियाबंद, जिला - गरियाबंद (छ.ग.)

दूरभाष 07706-241349 फैक्स नं. 07706-241349 Email-nagarpalikagariaband@gmail.com

क्रमांक / 117 / न0पा0 / राजस्व / 2026-27 गरियाबंद, दिनांक 01/07/26

!! प्रकाशन सुचना !!

नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 अंतर्गत निम्नाकिंत व्यक्तियों के द्वारा उसके मकान / भूमि के समक्ष नाम को नगर पालिका परिषद् गरियाबंद के कर मांग पंजी पर (दर्ज करने) नाम परिवर्तन हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबध में किसी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में प्रमाणित दस्तावेजों सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत की जा सकती है निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नही किया जावेगा।

क्र.	हस्तांतरिती/आवेदक का नाम	हस्तांतरणकर्ता/अनावेदक का नाम	वार्ड	ह. न.	खसरा न.	क्षेत्रफल	सम्पत्ति की स्थिति	हस्तांतरण का स्वरूप
1.	महेजबीन बानो/अ. गफार	शहीन खानम/नाजीम खान	09	10	934/12	2185 वर्गफीट	भवन	बिक्रीनामा
2	शरीफा बानू/मो अशरफ मेमन	रमीज रहमान / अब्दुल रहमान	1	10	75/4 74/2	0.009 हेक्टे	भूमि	बिक्रीनामा
3	शरीफा बानू/मो अशरफ मेमन	रमीज रहमान / अब्दुल रहमान	01	10	75/4 74/8	0.0180 हेक्टे	भूमि	बिक्रीनामा
4.	महेन्द देवागन/राजकुमार	राजकुमार देवागंन /लखन लाल	9	10	911	13.84 वर्गमीटर	दुकान	सहमति पत्र
5.	कुबेर, परमेश्वरी, उषा/स्व. बसंत	राजकुमार देवागंन /लखन लाल	9	10	911	13.99 वर्गमीटर	दुकान	सहमति पत्र
6.	पीतेश्वर / राजकुमार देवांगन	राजकुमार देवागंन /लखन लाल	9	10	911	15.43 वर्गमीटर	दुकान	सहमति पत्र
7	भारती पूजा देवांगन / राजकुमार	राजकुमार देवागंन /लखन लाल	9	10	911	20.23 वर्गमीटर	दुकान	सहमति पत्र
8.	मनोज बघेल / रूपचंद	भुवन बघेल / रूपचंद बघेल	8	10	978/	884 वर्गफीट	भवन	बिक्रीनामा
9.	रमला बाई सिन्हा/डिगेश्वर	डिगेश्वर सिन्हा/गाडाराय	11	10	801/1	178 वर्गफीट	भवन	बिक्रीनामा
10	चित्ररेखा/चैनुराम निषाद	चैनुराम निषाद / बालक राम	14	10	819/127	62 वर्गमीटर	भवन	सहमति पत्र
11	अंजु सिन्हा/रवि सिन्हा	संतोषी सागर जागडे / श्याम सागर	03	10	53/2	398.4 वर्गफीट	भवन	बिक्रीनामा
12	अनुप कुमार साहू/गणेश	पवन कुटारे/नारायण	8	10	983/1	4780 वर्गफीट	भूमि	बिक्रीनामा
13	गिरजा साहू/अनुप साहू	त्रिवेणी साह/घनश्याम	8	10	981/19	0.02 हेक्टे	भूमि	बिक्रीनामा
14	गीता मिश्रा / राकेश	आशा, सुभाष, अशोक / रमाकांत, रामचरण मिश्रा	5	10	891	1225 वर्गफीट	भवन	बिक्रीनामा
15	अंजु धमगेश्वर / संजय	पुरन तनवीर / बाबुलाल	7	10	884	115.16 वर्गमीटर	भवन	बिक्रीनामा
16	गणेश्वर/अक्तुराम	तरूण यादव / कृष्ण यादव	8	10	995/2	1200 वर्गफीट	भूमि	बिक्रीनामा
17	डिगलेश यादव/अमृतलाल	अमृत लाल/नाथुलाल	09	10	978	440 वर्गफीट	मकान	सहमति पत्र
18	नितेश / जगदीश ठक्कर	भानुमति / जगदीश ठक्कर	09	10	906	85 वर्गमीटर	मकान	शपथ पत्र
19	छबिलाल चकधारी / गोकुल	यश कुमार / छबिलाल	11	10	801/1	342 वर्गफीट	मकान	शपथ पत्र
20	श्याम लाल / गोकुल राम	उमा बाई / गोकुल राम	11	10	801/1	400 वर्गफीट	मकान	शपथ पत्र
21	ओमनारायण / गैबीराम	गैबीराम / बहुर सिंह	09	10	911	420 वर्गफीट	मकान	शपथ पत्र
22	कविता जगत / तुकाराम	रामसुन्दर / बृजलाल	04	10	861	24 वर्गमीटर	मकान	सहमति पत्र

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गरियाबंद
जिला गरियाबंद (छ.ग.)

संक्षिप्त समाचार

धारदार लोहे का तलवार के साथ 01 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने एवं आसामाजिक तत्व के लोगो पर कार्यवाही करने पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के दिशा निर्देश एवं नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में थाना स्तर पर टीम गठित किया गया। कि दिनांक 30.06.2026 को ग्राम मारकेल शिवनागुड़ापारा में जमीन सीमांकन के दौरान आरोपी विश्वकर्मा कश्यप पिता स्व0 महादेव कश्यप निवासी मारकेल शिवनागुड़ापारा द्वारा धारदार लोहे का तलवार लहराकर आम लोगो को डरा धमकाकर भयभीत कर गांव का माहौल खराब कर रहा था जिसे घेराबंदी कर पकडा गया एवं आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का तलवार को बरामद कर जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 25 ,27 आर्म्स एक्ट का पाये जाने से आरोपी को गिरफ्तार कर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया व आरोपी को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल दाखिल किया गया। महत्वपुर्ण भुमिका अदा करने वाले अधि./कर्म. निरीक्षक श्री संतोष सिंह, प्र आर अजय साहु ,आरक्षक नेलसन टोप्पो विक्रम उरांव ,आरक्षक चालक अविनाश कुमार, का विशेष योगदान रहा हैं।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से 11वीं के छात्र की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

जगदलपुर। करीतगांव के आत्मानंद स्कूल में कक्षा 11 वी में पढने वाले छात्र को गुरुवार की सुबह एक तेज रफ्तार पिकअप चालक ने ठोकर मार दी। इस हादसे में जहां एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। वही दूसरा छात्र घायल हो गया। आसपास के अलावा पीछे से आ रहे छात्रों ने घायल को अस्पताल पहुँचाया, जबकि शव को पीएम के लिए मेकाज लाया गया। मामले की जानकारी देते हुए नगरनार थाना प्रभारी ने बताया कि आसना निवासी गोपाल पाणिग्राही का बेटा अंश पाणिग्राही 18 वर्ष अपने दोस्त अंकित के साथ करीतगांव स्थित आत्मानंद स्कूल में पढने के लिये जा रहा था कि स्कूल से कुछ दूरी पहले की गाड़ी का बैलेंस बिगडने से दोनों गिर पड़े, इसी दौरान पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार पिकअप ने उसे अपने चपेट में ले लिया। इस हादसे में जहां अंश की मौके पर ही मौत हो गई।

आतंक के साए से निकली नई सुबह: 21 साल बाद पीडिया में फिर गूंजी स्कूल की घंटी, 539 बच्चों को मिला शिक्षा का अधिकार

बीजापुर। कभी माओवादी आतंक और हिंसा के कारण वीरान पड़े पीडिया क्षेत्र में अब बच्चों की किलकारियां और स्कूल की घंटियां सुनाई देने लगी हैं। 21 वर्षों तक बंद रहने के बाद बीजापुर जिले के पीडिया क्षेत्र के 11 स्कूलों का पुनः संचालन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल और कलेक्टर विश्वदीप के मार्गदर्शन में स्कूल शिक्षा विभाग के प्रयासों से अब 11 गांवों के 539 बच्चों को अपने ही गांव में शिक्षा का अधिकार मिल रहा है। यह केवल स्कूलों के पुनः खुलने की कहानी नहीं, बल्कि भय से विश्वास और अंधकार से ज्ञान की ओर बढ़ते बस्तर की नई पहचान है।

प्रवेशोत्सव में दिखा उत्साह, बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत- पीडिया में आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने 11 गांवों के शिक्षादूतों को रजिस्टर एवं शिक्षण सामग्री प्रदान की तथा बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी, पेन और स्लेट वितरित कर उनका विद्यालय में प्रवेश कराया।
कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सोनू पोटाम, जनपद उपाध्यक्ष दिनेश पुजारी, सरपंच सन्नू अवलम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अतिथियों ने बच्चों का तिलक लगाकर, गुलाल लगाते हुए और खिलाकर उनका स्वागत किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा ही विकास की पहली सीढ़ी- जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि अब पीडिया क्षेत्र विकास के नए दौर में प्रवेश कर रहा है और शिक्षा उसकी सबसे मजबूत नींव है।

गरियाबंद पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 81.374 किलो गांजा जब्त, 9 अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

40.68 लाख रुपये का गांजा, दो कार, दो बाइक और 13 मोबाइल जब्त, ओडिशा से तस्करी कर दूसरे राज्यों में सप्लाई की थी तैयारी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। गरियाबंद पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर 81.374 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। इस कार्रवाई में 9 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 40.68 लाख रुपये मूल्य का गांजा, तस्करी में प्रयुक्त दो कार, दो मोटरसाइकिल तथा 13 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देश पर जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थों के परिवहन एवं बिक्री पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में मुखबिर की सूचना पर देवभोग, इंदागांव और पायलीखण्ड थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की।

देवभोग में दो कारों से 48.300 किलो गांजा बरामद- अंतरराज्यीय चेक पोस्ट खुटगांव में वाहन जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध कार छत्र-08-२-2218 की तलाशी ली, जिसमें प्लास्टिक की बोरी में 8.100 किलो गांजा मिला। इसके बाद दूसरी कार रू॥-51-२-2012 से 40.200 किलो गांजा बरामद किया गया। कुल 48.300 किलो गांजा जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज किया गया।

इंदागांव में बाइक सवार दो तस्कर गिरफ्तार- इंदागांव थाना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान बिना नंबर प्लेट की सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल को रोका। तलाशी लेने पर बाइक सवार दो युवकों के पास से 10 किलो गांजा बरामद हुआ। दोनों आरोपी राजस्थान के कोटा जिले के निवासी हैं। पुलिस ने गांजा और मोटरसाइकिल जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

पायलीखण्ड में चार तस्कर दबोचे, 22.740 किलो गांजा जब्त- पायलीखण्ड (जुगाड़) थाना क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर अमाड़ तिराहा के पास घेराबंदी की गई। पुलिस को देखकर चार संदिग्ध भागने लगे, जिन्हें पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान तीन बैगों से 22.740 किलो गांजा बरामद हुआ। सभी आरोपी ओडिशा के रहने वाले हैं। इनके खिलाफएनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(C) के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया।

जब्त सामग्री- 81.374 किलोग्राम अवैध गांजा (कीमत लगभग 40.68 लाख रुपये)

2 कार एवं 2 मोटरसाइकिल (कीमत लगभग 6.50 लाख रुपये)

13 मोबाइल फोन (कीमत लगभग 65 हजार रुपये)

शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने बस्तर में शिक्षा विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली

योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने अधिकारियों को दिए निर्देश

जगदलपुर/विश्व परिवार। शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव ने बैठक में शिक्षा मंत्री श्री यादव ने शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उनके बेहतर एवं प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बस्तर के विकास में शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान होगा। इसके लिए अंदरूनी क्षेत्रों के स्कूलों को पुनर्जीवित करना है, साथ ही स्कूलों में विद्यार्थियों-शिक्षकों की उपस्थिति शत-प्रतिशत सुनिश्चित की जानी है। उन्होंने विद्यार्थियों की शिक्षा गुणवत्ता में सुधार, नियमित उपस्थिति और बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी की आवश्यकता बताई। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों के आधार रूट को मजबूत करने के लिए प्राथमिक स्कूलों को केंद्रित कर गणित, अंग्रेजी, हिंदी पर फोकस करें। साथ ही चरणबद्ध तरीके से कैलेंडरवार, शालावार, विषयवार समय-सारणी के साथ पढ़ाई करवाएँ और रिवीजन टेस्ट की गतिविधि करवायें ।

बुधवार को बस्तर कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित बैठक में शिक्षा मंत्री श्री यादव संभाग स्तरीय शिक्षा विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह एवं संचालक श्री ऋतुराज रघुवंशी, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन सहित संभाग के शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक श्री एचआर सोम, सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारी, डीएमसी, बीईओ एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान आधार बेस एप के माध्यम से कार्यालयीन अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति तथा वीएसके एप में शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति की स्थिति की जानकारी ली गई। ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज नहीं करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नेटवर्क विहीन स्कूलों की सूची कलेक्टर के माध्यम से उपलब्ध कराने कहा गया। शिक्षा मंत्री ने अन्य विभागों में पदस्थ शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को मूल पदस्थापना में वापस भेजने के निर्देशों के पालन की समीक्षा की।

उन्होंने बसाहटवार प्राथमिक शालाओं की जानकारी, नए विद्यालयों की आवश्यकता, बंद विद्यालयों को पुनः प्रारंभ करने की कार्ययोजना, बोर्ड एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम में जिलों के प्रदर्शन पर चर्चा की। जिलों के पोटा केबिन में अंतर जिला स्कूली बच्चों को एडमिशन देने के निर्देश दिए, साथ ही वार्षिक परीक्षा में बेहतर परिणाम हेतु पिछले वर्षों के प्रश्नों का विषय आधारित यूनिट टेस्ट और तिमाही परीक्षा करवाने के निर्देश दिए । उन्होंने इसके लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को कमजोर स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। बैठक में विद्यार्थियों के नामांकन, उपस्थिति, ड्रॉपआउट की स्थिति, शिक्षकों की उपलब्धता, रिक्त एवं युक्तियुक्तकरण किए गए शिक्षक पदों की स्थिति (ई एवं टी संवर्ग), स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट विद्यालयों की कार्ययोजना एवं गैप एनालिसिस की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके अलावा छात्र हितग्राही योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति, गणवेश वितरण, पाठ्य पुस्तकों का वितरण, सरस्वती सायकल योजना, मध्यान्ह भोजन व न्यौता भोजन, शिक्षा विभाग के निर्माण कार्यों एवं शासन द्वारा निर्धारित नियमों के क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद स्कूल का विकास पीएम श्री स्कूल के तर्ज पर करने के लिए जोर दिया। साथ ही जर्जर स्कूल भवनों को नियमानुसार ध्वस्त करवाने और स्कूलों के छोटे-छोटे आवश्यकता वाले कार्यों को जरूरत के आधार पर बजट का उपयोग करने की बात कही। मंत्री ने निर्देशित किया कि पाठय पुस्तक का वितरण शत-प्रतिशत किया जाए, स्कूलों एवं संकुलों में अवितरित किताबों का रिकार्ड संधारित किया जाए। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मंत्री को संभाग में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों एवं योजनाओं की प्रगति से विस्तारपूर्वक अवगत कराया।

बस्तर जिला पत्रकार संघ ने आईजी सुंदरराज पी को दी भावभीनी विदाई,नए आईजी बद्रीनारायण मीणा का किया भव्य स्वागत

जगदलपुर। बस्तर पत्रकार संघ द्वारा आज जगदलपुर में एक गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर रेंज के पूर्व महानिरीक्षक सुंदरराज पी को भावभीनी विदाई दी गई वही नवपदस्थ बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बद्रीनारायण मीणा का आत्मीय स्वागत किया गया। समारोह में बस्तर कलेक्टर आकाश छिकारा तथा पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बस्तर पत्रकार संघ के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ पत्रकार सहित पत्रकार संघ के सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

अपने संबोधन में पूर्व आईजी सुंदरराज पी ने बस्तर में बिताए लगभग 14 वर्षों के अनुभवों को पत्रकारों के साथ साझा किया। उन्होने कहाकि बस्तर केवल एक कार्य स्थल नहीं बल्कि उनके जीवन का महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। यहां की संस्कृति,परंपराएं,आदिवासी समाज की सरलता और लोगों का अपनापन हमेशा उनकी स्मृतियों में रहेगा। उन्होने कहा कि बस्तर में सुरक्षा चुनौतियों के साथ-साथ विकास और विश्वास कामय करने की दिशा में प्रशासन,पुलिस और आम जनता ने मिलकर उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी पत्रकारों ने जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ समाज तक ही जानकारी पहुंचाने का कार्य किया है।

नवागत आईजी बद्रीनारायण मीणा ने अपने स्वागत पर बस्तर पत्रकार संघ का आभार व्यक्त किया। उन्होने कहा कि बस्तर की सुरक्षा,शांति और विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनहित के मुद्दो पर सकारात्मक कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ है और प्रशासन तथा समाज के बीच मजबूत सेतु की भूमिका निभाते है।

सांसद बनने के बाद भी नहीं छूटा जमीनी जुड़ाव, मानसून आते ही खेतों में हल जोतते नजर आए बस्तर सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर। मानसून की पहली फुहारों के साथ ही जहाँ पूरे देश और प्रदेश के किसान अपने खेतों की ओर रुख कर चुके हैं, वहीं बस्तर संसदीय क्षेत्र में एक बेहद खास और प्रेरणादायक तस्वीर सामने आई है। बस्तर के नवनिर्वाचित सांसद महेश कश्यप राजनीति की चकाचौंध से दूर,एक आम किसान की तरह अपने खेतों में पसीना बहाते नजर आ रहे हैं। सांसद महेश कश्यप का परिवार पीढ़ियों से कृषि कार्य से जुड़ा हुआ है। पुरखों के समय से चली आ रही इस पारंपरिक किसानी को उन्होंने सांसद बनने के बाद भी नहीं छोड़ा है। अमूमन वीआईपी संस्कृति के दौर में जहाँ जनप्रतिनिधि खेतों से दूरी बना लेते हैं, वहीं महेश कश्यप आज भी अपने परिवार के साथ मिलकर खेतों की जोताई,फसलों की रोपाई,बुवाई और कटाई का कार्य स्वयं करते हैं। सांसद कश्यप ने कहा कि किसानी मेरा मूल आधार है और मिट्टी से मेरा जुड़ाव ही मेरी असली ताकत है। पद आते जाते रहते हैं, लेकिन जो हमारा मूल काम है, उसे कभी नहीं भूलना चाहिए। बस्तर का विकास और यहाँ के किसानों की खुशहाली ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता हैद्य बस्तर वासियो और किसानों के बीच सांसद का यह सादगीपूर्ण अंदाज चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपने सांसद को इस तरह आम किसान की तरह खेतों में काम करते देखना गर्व की बात है, जिससे यह साबित होता है कि वे सही मायनों में माटीपुत्र हैं।

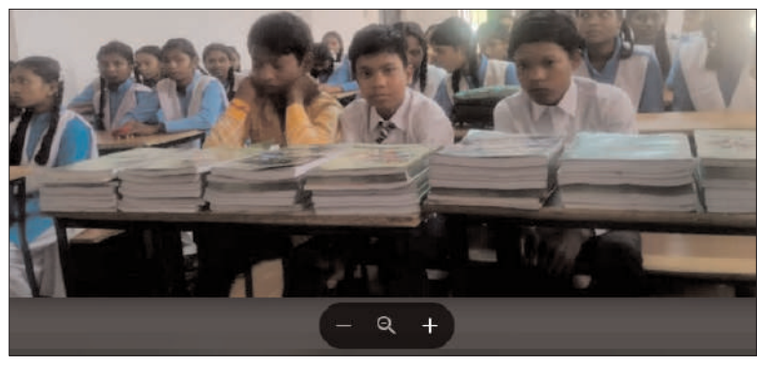

पीपरछेड़ी स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव, नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विकासखंड एवं जिला गरियाबंद के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, पीपरछेड़ी में शाला प्रवेश उत्सव उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। पूरे विद्यालय परिसर में नए विद्यार्थियों के स्वागत को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। तिलक, मिठाई और निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों के वितरण के साथ नवप्रवेशी विद्यार्थियों का आत्मीय अभिनंदन किया गया तथा उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शाला विकास समिति के अध्यक्ष खेदूराम यादव रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शाला विकास समिति के सदस्य अश्वनी वर्मा तथा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि दीपेश दीवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य मनोज मेरसा, वरिष्ठ व्याख्याता कामता राम साहू तथा व्याख्याता बसंत त्रिवेदी ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके बाद नवप्रवेशी विद्यार्थियों का गुलाल-चंदन का तिलक लगाकर, मुँह मीठा कराकर तथा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व, नियमित अध्ययन, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और ज्ञान के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने पर जोर दिया। प्राचार्य मनोज मेरसा ने विद्यार्थियों को विद्यालय की शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी देते हुए नियमित अध्ययन और उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में व्याख्याता डॉ. ओमप्रकाश वर्मा ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन खेल प्रमुख सूरज राव महाडिक ने किया।

इस अवसर पर विद्यालय के समस्त

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 03 जुलाई 2026

शिक्षा के महापर्व में विधायक पुरन्दर मिश्रा का प्रेरणादायी संदेश

कलम की ताकत से ही बनेगा आत्मनिर्भर और विकसित भारत

रायपुर (विश्व परिवार)। शिक्षा केवल अक्षर ज्ञान नहीं, बल्कि एक सशक्त, संस्कारित और आत्मनिर्भर समाज की नींव है। इसी भाव को साकार करते हुए रायपुर उत्तर विधानसभा के लोकप्रिय विधायक पुरन्दर मिश्रा ने फाफाडीह स्थित शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में आयोजित शाला प्रवेशोत्सव में सहभागिता कर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का भावपूर्ण संदेश दिया।

विद्यालय परिसर उस समय उत्साह, उल्लास और आत्मीयता से भर उठा, जब विधायक श्री मिश्रा ने नवप्रवेशी नन्हे विद्यार्थियों का तिलक लगाकर, मिठाई खिलाकर एवं पुस्तकें भेंट कर विद्यालय परिवार में उनका स्वागत किया। बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और अभिभावकों की आंखों में उम्मीद की चमक इस बात का प्रमाण थी कि शिक्षा का यह पर्व केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण का शुभारंभ है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विधायक श्री मिश्रा ने बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला है। यहीं से वह पीढ़ी तैयार होती है, जो आने वाले समय में समाज, प्रदेश और देश का नेतृत्व करती है। उन्होंने कहा, बच्चों के हाथों में यदि किताब होगी तो भविष्य सुरक्षित होगा और यदि उनके मन में अच्छे संस्कार होंगे तो राष्ट्र समृद्ध होगा। शिक्षा ही वह सबसे बड़ी पूंजी है, जिसे कोई छीन नहीं सकता। विधायक श्री मिश्रा ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे नियमित रूप से विद्यालय आएं, पूरी लगन से अध्ययन करें, समय का सम्मान करें तथा अपने माता-पिता और गुरुजनों के सपनों को साकार करने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता की असली पहचान है।

रायपुर से गूंजा गौ सम्मान का संकल्प, 251 तहसीलों के प्रतिनिधियों ने बनाई प्रदेशव्यापी रणनीति

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर स्थित श्री सालासर धाम में गुरुवार को गो सम्मान आह्वान अभियान की प्रदेश स्तरीय प्रांतीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें छत्तीसगढ़ की सभी 251 तहसीलों से आए गौ सेवकों, गोसेविकाओं, युवाओं, मातृशक्ति तथा सनातन समाज के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में आगामी 27 जुलाई 2026 को होने वाले राष्ट्रव्यापी गो सम्मान आह्वान अभियान की प्रदेशव्यापी रणनीति, जनजागरण कार्यक्रमों एवं संगठनात्मक तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। कार्यक्रम के दौरान दोपहर 1.30 बजे से 2.00 बजे तक प्रेस वार्ता आयोजित की गई।

इसमें पूज्य संतों एवं अभियान के पदाधिकारियों ने मीडिया को बताया कि 27 जुलाई को देश के 790 जिला मुख्यालयों पर एक साथ व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिला मुख्यालयों पर भी हजारों गौभक्त, किसान, युवा, मातृशक्ति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि जिला प्रशासन के माध्यम से भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

अभियान की प्रमुख मांगों में गौ माता को राष्ट्र माता का सम्मान प्रदान करना तथा केंद्रीय कानून बनाकर पूरे देश में गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करना शामिल है। अभियान का उद्देश्य गौ संरक्षण, गौ सुरक्षा एवं गौ सम्मान के पक्ष में जनभावनाओं को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक माध्यम से भारत सरकार तक पहुँचाना है।

कार्यशाला में संगठन विस्तार, जनसंपर्क, हस्ताक्षर अभियान, सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्रचार-प्रसार की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं को आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि अभियान को अधिक प्रभावी एवं जन-जन तक पहुँचाया जा सके।

कार्यक्रम में पूज्य साधु-संतों का पावन सान्निध्य एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। संतों ने प्रदेश के गौभक्तों, युवाओं, मातृशक्ति एवं समस्त सनातन समाज से 27 जुलाई के राष्ट्रव्यापी अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनने का आह्वान करते हुए कहा कि गौ संरक्षण, गौ सुरक्षा और गौ सम्मान के लिए व्यापक जनसमर्थन एवं जनभागीदारी समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

चक्रधरपुर मंडल में मेगा ब्लॉक के फलस्वरूप कुछ गाड़ियों का परिचालन रहेगा प्रभावित

रायपुर/बिलासपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में कंसबहाल व धारुआडीही खंड के अप एवं डाउन लाइन पर TRT मशीनों द्वारा आवश्यक आधारभूत संरचना एवं ट्रैक अनुरक्षण कार्य किए जाने हेतु मेगा ब्लॉक लिया जा रहा है। यह कार्य रेल संरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा यात्रियों को सुरक्षित एवं सुगम रेल यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उक्त मेगा ब्लॉक दिनांक 03 जुलाई 2026 से 17 नवंबर 2026 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को लिया जायेगा। इसके फलस्वरूप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबन्धित कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इस अवधि में कुछ गाड़ियों को निरस्त, आंशिक निरस्त (शॉर्ट टर्मिनेट/शॉर्ट ओरिजिनेट) अथवा परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। जुलाई माह 2026 में दिनांक 02, 09, 16, 23 एवं 30 को, अगस्त माह 2026 में दिनांक 06, 13, 20 एवं 27 को, सितंबर माह 2026 में दिनांक 03, 10, 17 एवं 24 को, अक्टूबर माह 2026 में दिनांक 01, 08, 15, 22 एवं 29 को।

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
क्षेत्रीय कार्यालय: महादेव घाट रोड, सुंदरनगर, रायपुर (छ.ग.)
Mob:6232032095 I Tollfree 1800-233-2300, (PIN 492013)
E-mail:npa.ro.rai@cgbank.in I Web: www.cgbank.in

मांग सूचना

शाखा	ऋणी का नाम	ऋण का प्रकार	खाता क्रमांक	स्वीकृत राशि	स्वीकृत दिनांक	दिनांक 02/07/2026 तक बकाया राशि
बीरगाँव	श्री सुरेन्द्र यादव 7/759 सेक्टर 1, शिवानन्द नगर रुममताड-2 रायपुर	स्वर्ण आभूषण के विरुद्ध मांग ऋण	77102766966	62000/-	18/01/2025	51562+ब्याज

आपको सूचित किया जाता है कि आपके आवेदन पर छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक की शाखा बीरगाँव द्वारा उपरोक्त वर्णित तालिका के अनुसार आपको स्वर्ण आभूषण के विरूद्ध माँग ऋण वितरित किया गया था। आपके द्वारा उपरोक्त ऋण खातों में नियमित पुनर्भुगतान नहीं करने के कारण उपरोक्त ऋण खाता दिनांक 04/03/2026 से गैर लाभकारी आस्ती में वर्गीकृत हैं । उपरोक्त खाते में दिनांक 02.07.2026 तक देय राशि (कॉलम क्रमांक 7 के अनुसार) देय ब्याज एवं अन्य समस्त प्रभार दिनांक 18.07.2026 तक जमा करावें अन्यथा यदि आपके द्वारा नियत तिथि तक उक्त वर्णित राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो उपरोक्त ऋण खाते के विरूद्ध हमारे बैंक में जमा समस्त स्वर्ण आभूषणों की नीलामी कर दी जावेगी जिसके लिये आप स्वयं उत्तरदायी होंगे एवं उस पर होने वाले समस्त व्यय की वसूली आप से की जावेगी।

दिनांक-02/07/2026
स्थान-रायपुर

प्राधिकृत अधिकारी
छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

निगम आयुक्त का खुर्सीपार क्षेत्र में निरीक्षण

विकास कार्यों में तेजी और नागरिक समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण कर निर्माणाधीन विकास कार्यों और नागरिक भीसुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने तथा नागरिकों की शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त ने औद्योगिक क्षेत्र में प्रस्तावित नाली निर्माण स्थल का निरीक्षण करते हुए निर्माण कार्य गुणवत्ता युक्त करने पर जोर दिया, ताकि जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में जल निकासी की बेहतर व्यवस्था निगम की प्राथमिकता है। बालाजी नगर में पाइपलाइन कार्य का निरीक्षण करते हुए आयुक्त ने स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान रहवासियों ने क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था सुचारू करने की मांग रखी, निगम आयुक्त जल्द निराकरण हेतु जोन आयुक्त को निर्देशित किये हैं।

बल्क वेस्ट जनरेटरों की हुई अहम बैठक

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं कचरा-मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए बल्क वेस्ट जनरेटरों की एक आवश्यक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। निगम के डाटा सेंटर में आयोजित महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल द्वारा लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी निलेश अग्रवाल तथा स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता,सहायक स्वास्थ्य अधिकारी शेखर दुबे,कुणाल, राहुल की उपस्थिति में शहर के प्रमुख मैरिज पैलेस, होटल, हॉस्टल, शैक्षणिक संस्थानों एवं बड़ी आवासीय कॉलोनियों के संचालक एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में बैठक में शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के तहत सभी बल्क वेस्ट जनरेटरों के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने सभी संबंधित संस्थानों को तत्काल पंजीयन कराने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

Bank of Maharashtra
अंचल कार्यालय, प्रथमतल, चावला कॉम्प्लेक्स,साई (देवेंद्र) नगर, रायपुर-492001,
मो: 9007896452, ई-मेल: cmfsmc@bankofmaharashtra.bank.in

मांग सूचना

निम्नलिखित उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारीयों को सूचित किया जाता है कि उन्होनें बैंक ऑफ महाराष्ट्र से जो ऋण लिया है उसके मूलधन और ब्याज के पूर्नभुगतान में चूक की है जिस कारण उनका खाता अनर्जक आस्ति (NPA) में परिवर्तित हो गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002 की धारा 13(2) के तहत इन सभी को उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी की गई। उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारीयों को इस सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से भी सूचित किया जा रहा है।

नोटिस की तिथि : 21.05.2026 & एन.पी.ए. की तिथि : 19.03.2026

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम एवं पता	सुविधा का प्रकार एवं खाता क्र.	दिनांक 20.05.2026 को खाते में शेष
उधारकर्ता- स्वर्गीय श्री श्री चंद्र दुबे पिता श्री तिलक राम दुबे के सभी कानूनी उत्तराधिकारीयों, मकान - अहमद नगर, कैंप - 2, भिलाई में तालुका एवं जिला - दुर्ग, छ.ग. - 490023, सह-उधारकर्ता - स्वर्गीय श्रीमती मनु दुबे पति स्वर्गीय श्री श्री चंद्र दुबे के सभी कानूनी उत्तराधिकारीयों, मकान - अहमद नगर, कैंप - 2, भिलाई, तालुका एवं जिला- दुर्ग, छ.ग.- 490023 में कानूनी उत्तराधिकारी 1 - श्री घनश्याम दुबे, सौजन्य- अहमद नगर, कैंप -2, भिलाई, तालुका एवं जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़ - 490023, कानूनी उत्तराधिकारी 2 - श्री राकेश दुबे, सौजन्य- श्री ओम फ्रूट कंपनी, विजय कॉम्प्लेक्स, कैंप्ट-2, भिलाई, कानूनी उत्तराधिकारी 3 - श्री सुनीता पांडे , सौजन्य- अमित पांडे, मोहनलाल मंदिर के पास, गली नंबर-5, गंजपारा, दुर्ग	हाउसिंग ऋण - रु. 16,15,000.00 खाता संख्या: 60255230209	खाता बकाया- रु. 13,06,677.36 + अनुप्रयुक्त ब्याज रु. 23,687.64, कुल- रु. 13,30,365.00

आस्ति/यों का विवरण

प्राथमिक प्रतिभूति : सर्वे नंबर 824, अहमद नगर, कैंप 2, भिलाई, तालुका एवं जिला दुर्ग, छ.ग.में क्षेत्रफल: 890.50 वर्ग फुट पर स्थित सामयिक बंधक आवासीय मकान, मालिकाना हक- स्वर्गीय श्री चंद्र दुबे पिता श्री तिलक राम दुबे के कानूनी उत्तराधिकारीयों, के माध्यम से। सीमाएँ:- उत्तर- शकूर एवं फरशी गली, पूर्व- बाबू मियाँ, पश्चिम- फरशी गली, दक्षिण- सुभाष, **सरसई एसेट आईडी- 200013077498**

कुल राशि: रु. 13,30,365.00 (रुपये तेरह लाख तीस हज़ार तीन सौ पैंसठ मात्र)+ ब्याज @ 10.55 संविदात्मक दर व अन्य खर्चे दिनांक 21/05/2026 से प्रभावी

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारीयों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिनों के भीतर अपनी बकाया राशि का भुगतान कर दें अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिनों के पश्चात वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002 की धारा 13 (4) के तहत आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

यह नोटिस अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित किया जा रहा है। यदि व्याख्या का कोई प्रश्न उठता है तो अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

दिनांक: 03.07.2026, स्थान- दुर्ग
मुख्य प्रबंधक/प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र

ऐश्वर्या ग्रेटर सोसायटी में रक्तदान और स्वास्थ शिविर का आयोजन

रायपुर(विश्व परिवार)। ब्राइट फाउंडेशन सामाजिक संस्था द्वारा ऐश्वर्या ग्रेटर सोसायटी खम्हारडीह में अपने सामाजिक उत्तरदायित्व और जनजागरूकता अभियान के तहत रक्तदान और स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर सोसायटी के निवासियों ने बड़चरकर हिस्सा लिया।

12 लोगों ने रक्त दान किया , वही 43 लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई , 38 लोगों ने ब्लड शुगर , कोलेस्ट्रॉल आदि की जांच करवाई । बिलासा ब्लड ग्रुप और डॉ शिवाकांत दुबे नेत्र चिकित्सक अपने तकनीशियनों के साथ उपस्थित थे रक्तदान करने वाले सभी दान दाताओं को हेलमेट , कंप्यूटर बैग तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे प्रमोटी ऑफिसर संघ की कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रमोटी ऑफिसर संघ, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की कार्यकारिणी समिति की एक भव्य बैठक दिनांक 30 जून को रायपुर में आयोजित की गई। इस बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यालय द्वारा रायपुर मंडल में नवगठित समिति को अनुमोदन प्रदान किया गया।

बैठक में प्रमोटी अधिकारियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा की गई, जिसमें नॉन-फंक्शनल सीनियर स्केल, जूनियर स्केल अधिकारियों के लिए डेटा चार्जेस की व्यवस्था तथा समय-समय पर नियमित बैठक आयोजित करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अधिकारियों से संबंधित समस्याओं, जैसे रेस्ट हाउस की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु प्रशासन से चर्चा करने पर भी जोर दिया गया। इसके साथ ही श्री अनिल कुमार पाण्डे, उप मुख्य अभियंता (निर्माण), के सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। बैठक में उपस्थित अधिकारियों में श्री डी.के. सिंह (अध्यक्ष), श्री राकेश प्रसाद (महामंत्री), श्री भास्कर गुहा (कार्यकारिणी अध्यक्ष), श्री सुरेश चंद्र (मंडल अध्यक्ष रायपुर), श्री अविनाश आनंद (नवनिर्वाचित मंडल सचिव रायपुर) सहित अन्य सभी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमोटी ऑफिसर उपस्थित रहे।

Bank of Maharashtra
अंचल कार्यालय, प्रथमतल, चावला कॉम्प्लेक्स,साई (देवेंद्र) नगर, रायपुर-492001,
मो: 9007896452, ई-मेल: cmfsmc@bankofmaharashtra.bank.in

मांग सूचना

निम्नलिखित उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारीयों को सूचित किया जाता है कि उन्होनें बैंक ऑफ महाराष्ट्र से जो ऋण लिया है उसके मूलधन और ब्याज के पूर्नभुगतान में चूक की है जिस कारण उनका खाता अनर्जक आस्ति (NPA) में परिवर्तित हो गया है। वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002 की धारा 13(2) के तहत इन सभी को उनके अंतिम ज्ञात पते पर नोटिस जारी की गई। उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारीयों को इस सार्वजनिक नोटिस के माध्यम से भी सूचित किया जा रहा है।

नोटिस की तिथि : 10.06.2026 & एन.पी.ए. की तिथि : 08.06.2026

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता का नाम एवं पता	सुविधा का प्रकार एवं खाता क्र.	दिनांक 09.06.2026 को खाते में शेष
उधारकर्ता- स्वर्गीय श्रीमती मंजू दुबे पति श्री श्रीचंद्र दुबे के सभी कानूनी उत्तराधिकारीयों, अहमद नगर, कैंप-2, भिलाई, तालुका एवं जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़ - 490023, सह-उधारकर्ता- स्वर्गीय श्री श्री चंद्र दुबे पिता श्री तिलक राम दुबे के सभी कानूनी उत्तराधिकारीयों, अहमद नगर, कैंप - 2, भिलाई तालुका एवं जिला- दुर्ग, छ.ग. - 490023, कानूनी उत्तराधिकारीयों- 1. श्री घनश्याम दुबे, अहमद नगर, कैंप-2, भिलाई, तालुका एवं जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़-490023, 2. श्री राकेश दुबे, विजय कॉम्प्लेक्स, कैंप-2, भिलाई, छत्तीसगढ़, 3. श्रीमती सुनीता पांडे पति अमित पांडे, मोहनलाल मंदिर के पास, गली नंबर-5, गंजपारा, दुर्ग, छत्तीसगढ़	हाउसिंग ऋण - रु. 1615000/- खाता संख्या: 60273564366	खाता बकाया- रु. 13,05,495/- + अनुप्रयुक्त ब्याज रु. 36,683/-, कुल- रु. 13,42,178/-

आस्ति/यों का विवरण

प्राथमिक प्रतिभूति : सर्वे नंबर 824, ग्राम श्याम नगर (अहमद नगर), कैंप-2, लिंक रोड के पास, वार्ड नंबर 26, भिलाई, तहसील एवं जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़ में क्षेत्रफल- 487.00 वर्गफुट, पहली मंज़िल- 389.08 वर्गफुट पर स्थित सामियक बंधक आवासीय मकान, मालिकाना हक- श्रीमती मंजू दुबे। सीमाएँ: उत्तर– मेहरा साहब, पूर्व– कृष्णवती, पश्चिम– फ़र्शी गली, दक्षिण– पार्वती देवी। **सरसई आईडी: 200013077498**

कुल राशि: रु. 13,42,178/- (रुपये तेरह लाख बयालीस हज़ार एक सौ अठहत्तर मात्र) + ब्याज संविदात्मक दर व अन्य खर्चे दिनांक 10/06/2026 से प्रभावी

उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारीयों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिनों के भीतर अपनी बकाया राशि का भुगतान कर दें अन्यथा इस सूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिनों के पश्चात वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित परिवर्तन अधिनियम (SARFAESI ACT) 2002 की धारा 13 (4) के तहत आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

यह नोटिस अंग्रेजी भाषा में भी प्रकाशित किया जा रहा है। यदि व्याख्या का कोई प्रश्न उठता है तो अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा।

दिनांक: 03.07.2026, स्थान- दुर्ग
मुख्य प्रबंधक/प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र

विधायक अनुज शर्मा ने खरोरा कार्यालय में लगाया जनदर्शन

- लोगों से सीधा संवाद कर मौके पर किया समस्याओं का समाधान

खरोरा (विश्व परिवार)। क्षेत्र की जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उनसे सीधा जुड़ाव बनाने के उद्देश्य से धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने आज खरोरा स्थित विधायक कार्यालय में जनदर्शन लगाया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से सीधे संवाद कर उनकी मांगें, शिकायतें और समस्याएं कों बड़े ही संवेदनशीलता से साथ सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनदर्शन में बड़ी संख्या में खरोरा और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे थे।

ग्रामीणों ने मुख्य रूप से बिजली, सड़क मरम्मत, राशन कार्ड, स्वास्थ्य सहायता और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से जुड़ी समस्याओं से विधायक को अवगत कराया। विधायक अनुज शर्मा ने बेहद आत्मीयता से एक-एक कर सभी आगंतुकों से मुलाकात की। कई आवेदनों पर संज्ञान लेते हुए उन्होंने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को फोन पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

वहीं, कुछ गंभीर और नीतिगत मामलों के आवेदनों को विधिवत दर्ज कर उन्हें समय-सीमा के भीतर हल करने का आश्वासन दिया। मीडिया से चर्चा के दौरान विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि जनता ने मुझे अपनी सेवा के लिए चुना है, और उनके सुख-दुख में शामिल होना तथा उनकी समस्याओं को दूर करना ही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है।इस जनदर्शन का उद्देश्य यही है कि क्षेत्र के हर एक नागरिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं कों सुन कर उसका निराकरण करना हैं। हम हर व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।उन्होंने कहा कि यह जनदर्शन न केवल छोटी-बड़ी समस्याओं के निस्तारण का माध्यम है, बल्कि इसका मूल उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था में वांछित कसावट लाना है। हमारा संकल्प है कि आम आदमी को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। कर्मचारी-अधिकारी नियम- कानून की ओट लेकर जनसामान्य को परेशान न सके।

विधायक शर्मा ने चेतावनी दी कि अब इन गतिविधियों की सतत और कठोर निगरानी की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी-कर्मचारी आम आदमी को परेशान कर शासन की जनकल्याणकारी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शुक्रवार 03 जुलाई 2026

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न

धमतरी (विश्व परिवार)। आगामी पर्व-त्योहारों और सार्वजनिक आयोजनों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला कार्यालय सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर आयोजित बैठक की अध्यक्षता अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी एवं सीएसपी अभिषेक चतुर्वेदी ने की। बैठक में विभिन्न समाजों के प्रमुखों, सामाजिक संगठनों और समिति प्रतिनिधियों के साथ जिले में शांति, कानून व्यवस्था तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री साय ने भारतीय कुष्ठ निवारक संघ आश्रम में सेवा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास कार्यों का किया अवलोकन

मानवता, सेवा और संवेदना का जीवंत केंद्र है सोठी आश्रमः साय

- सिद्धि विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जांजगीर-चांपा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान सोठी स्थित भारतीय कुष्ठ निवारक संघ आश्रम पहुँचे। आश्रम आगमन पर संस्था के पदाधिकारियों एवं आश्रमवासियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने आश्रम प्रमुख श्री सुधीर देव से संस्था की सेवा गतिविधियों, चिकित्सा सुविधाओं तथा पुनर्वास कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आश्रम द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय कुष्ठ निवारक संघ आश्रम केवल एक सेवा संस्थान नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और समर्पण का जीवंत केंद्र है। यहाँ वर्षों से समाज के उपेक्षित और जरूरतमंद लोगों की गरिमा के साथ सेवा की जा रही है, जो भारतीय संस्कृति के नर सेवा ही नारायण सेवा के आदर्श को साकार करती है। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान समाज में संवेदनशीलता, सेवा और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का प्रेरणादायी कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आश्रम परिसर स्थित श्री सिद्धि विनायक मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने संस्था के संस्थापक स्वर्गीय सदाशिव गोविंद कात्रे के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके सेवा भाव को नमन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आश्रम के लिए नई एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह एम्बुलेंस आश्रमवासियों एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने आश्रम परिसर का भ्रमण कर सेवा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने आश्रमवासियों से आत्मीय भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा उन्हें उपहार भी भेंट किए। इस दौरान उन्होंने गौशाला में गौमाता की पूजा-अर्चना कर हरा चारा अर्पित किया और गौसेवा का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने आश्रम परिसर स्थित संत गुरु घासीदास चिकित्सालय का निरीक्षण कर ओपीडी, पैथोलॉजी लैब, बिलिंग कक्ष, एक्स-रे कक्ष, आईसीयू तथा ऑपरेशन थियेटर सहित विभिन्न इकाइयों में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

सुकमा में स्वास्थ्य सेवाओं का नया अध्याय, गुणवत्ता और जनविश्वास की बनी मिसाल : केदार कश्यप

- सुदूर अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की साय सरकार की प्रतिबद्धता को मिली नई पहचान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और जनकेंद्रित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में सुकमा जिले ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विकासखंड सुकमा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केंद्र सुकमा-01 को भारत सरकार का प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन (एनक्वास) प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है। इसके साथ ही जिले के 17 स्वास्थ्य केंद्र राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों का प्रमाणपत्र प्राप्त कर चुके हैं। इस उपलब्धि पर प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के अंतिम छोर तक रहने वाले प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

सुकमा जैसे दूरस्थ अंचल में स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता का प्रमाण मिलना इस दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता और प्रभावी कार्यप्रणाली का परिणाम है। राष्ट्रीय मूल्यांकन में उप स्वास्थ्य केंद्र सुकमा-01 ने 93.04 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की बेहतर कार्यसंस्कृति, सेवा गुणवत्ता और जनहित के प्रति समर्पित प्रयासों को दर्शाती है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन (एनक्वास) प्रमाणपत्र केवल उन स्वास्थ्य संस्थानों को प्रदान किया जाता है, जो मरीजों की संतुष्टि, स्वच्छता, सुरक्षित मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, मानसिक स्वास्थ्य, संचारी एवं गैर-संचारी रोगों की देखभाल, प्रयोगशाला सेवाओं तथा प्रभावी स्वास्थ्य प्रबंधन सहित सभी निर्धारित मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

आरडीए हितग्राहियो को मिलेगा घर बैठे भुगतान की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्राधिकरण अध्यक्ष श्री नंद कुमार साहू की अध्यक्षता में गुरूवार 02 जुलाई 2026 को इस वर्ष के द्वितीय संचालक मण्डल की बैठक में विभिन्न मुद्दो पर निर्णय लिये गए।

रायपुर विकास प्राधिकरण के वर्तमान वेबसाईट rda.cgstate.gov की जगह नवीन डोमेन नाम rda raipur.cgstate.gov.in किया जा रहा है जिससे विभिन्न मदो के समस्त ऑनलाइन भुगतान, विक्रय हेतु उपलब्ध संपत्तियों की सूची का अवलोकन एवं क्रय की सुविधा तथा ऑनलाइन जन शिकायत की सुविधा प्राप्त होगी। बैठक में टिकरापारा 96 टिनामेंट के रिडेव्हलपमेंट कार्य हेतु निविदा दर की स्वीकृती प्रदान करते हुए मूल आंबटितियों को फ्लैट्स आबंटन पश्चात शेष सभी फ्लैट्स एवं दुकानो को निविदा के माध्यम से विक्रय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कौशल्या माता विहार, इन्द्रप्रस्थ एवं बोरियाखुर्द योजना में फ्लैटों के दोहरे आबंटन के प्रकरण का निराकरण हितग्राहियों में आपसी सहमति से आरक्षण नीति का पालन करते हुए पूर्व आबंटित तल या उससे ऊपर का तल दिये जाने की शर्तों का पालन करते हुए रिक्तता के आधार पर प्रस्तुत प्रस्ताव पर संचालक मण्डल द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

पंडरी स्थित पार्षद कार्यालय में शंकर नगर महिला मोर्चा की नवनियुक्त कार्यकारिणी का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। आज पंडरी स्थित गुरु गोविंद सिंह वार्ड क्रमांक 29 के पार्षद कैलाश बेहरा के कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी शंकर नगर मंडल की नवनियुक्त महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती उमा रात्रे अपने नवगठित कार्यकारिणी के साथ सौजन्य भेंट हेतु पहुँचीं। इस अवसर पर पार्षद कैलाश बेहरा ने महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती उमा रात्रे एवं उनकी कार्यकारिणी का भारतीय जनता पार्टी का दुपट्टा पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया तथा सभी पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

पार्षद कैलाश बेहरा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में महिलाओं की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। महिला मोर्चा संगठन की विचारधारा और जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने की सौजन्य भेंट

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने नई दिल्ली में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री माननीय श्रीमती अन्नपूर्णा देवी से सौजन्य भेंट कर महिला एवं बाल विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने हालिया बस्तर संभाग प्रवास की जानकारी साझा करते हुए क्षेत्र में किए गए निरीक्षणों, जनसंवाद कार्यक्रमों तथा जमीनी स्तर पर प्राप्त अनुभवों एवं निष्कर्षों से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने रायपुर निगम के 10 नव नामांकित पार्षद एल्डरमेन को पद की दिलाई शपथ

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रायपुर नगर पालिक निगम में 10 नामांकित पार्षद एल्डरमेन सर्वश्री रामकिंकर सिंह, विनय ओझा, मनीष करडभुजे, मित्रसेन धीमान, राजू राधवानी, गोपाल सोना, बी. श्रीनिवास राव,गोपी साहू, विक्रम सिंह ठाकुर, ऋषि साहू को आज रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने रायपुर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में पद की शपथ दिलवायी। 10 नामांकित पार्षदो, एल्डरमेनो ने पद की ईश्वर के नाम सत्यनिष्ठा की शपथ ली। इस अवसर पर रायपुर कलेक्टोरेट सभाकक्ष में नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकात राठौड, नगर निगम आयुक्त श्री सबित मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर सहित नगर निगम रायपुर के एमआईसी सदस्यो, पार्षदो, निगम अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, निगम सचिव श्रीमती सगीता साहू की उपस्थिति रही। शपथ ग्रहण करने पर रायपुर नगर निगम के 10 नव नामांकित पार्षदों एल्डरमेन को महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकात राठौड़, रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि श्री मैकमिलन साहू, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष श्री रमेश सिंह ठाकुर, एमआईसी सदस्यों, वार्ड पार्षदों ने बुके प्रदत्त कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354